mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-49 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
19 फरवरी 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

चीनी रोबोट को अपना बताकर विवाद में गलगोटिया यूनिवर्सिटी

सरकार ने एआई समिट कैम्पस खाली करने को कहा; पवेलियन की बिजली काटी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने गलगोटिया यूनिवर्सिटी को नई दिल्ली में चल रही एआई समिट के एक्सपो एरिया से बाहर कर दिया गया है। यूनिवर्सिटी के पवेलियन की बिजली भी काट दी गई है। दावा है कि यह कार्रवाई उस वीडियो के वायरल होने के बाद हुई है, जिसमें यूनिवर्सिटी ने एक चाइनीज रोबोटिक डॉग को अपनी खुद की खोज बताया था।

वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ विवाद : वीडियो में यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेहा सिंह कह रही हैं कि इस रोबोटिक डॉग का नाम 'ओरियन' है। इसे गलगोटिया यूनिवर्सिटी के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने तैयार किया है। उन्होंने ये भी कहा कि यूनिवर्सिटी ढ्ढ के क्षेत्र में 350 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। इस वीडियो के सामने आने के बाद कई टेक

एक्सपर्ट्स और यूजर्स ने दावा किया कि यह असल में चीनी कंपनी 'यूनिट्री' का 'Go2' मॉडल है, जो बाजार में 2-3 लाख रुपए में उपलब्ध है।

यूनिवर्सिटी ने माना, हमने नहीं बनाया ये डॉग : वीडियो वायरल होने के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने कहा- हमने लगातार कैंपस में बेहतरीन टेक्नोलॉजी लाने की कोशिश की है। क्यों? क्योंकि जब छात्र नई चीजें देखते हैं, तभी उनकी सोच विकसित होती है। और यही सोच नए रचनाकारों को जन्म देती है। हाल ही में यूनिट्री से लिया गया रोबोटिक डॉग इसी सफर का एक हिस्सा है। यह सिर्फ दिखाने के लिए रखी गई कोई मशीन नहीं है, यह एक चलता-फिरता क्लासरूम है। हमारे छात्र इस पर प्रयोग कर रहे हैं, इसकी क्षमताओं को परख रहे हैं और इस प्रक्रिया में अपना ज्ञान बढ़ा रहे हैं। हम यह साफ कर देना चाहते हैं कि गलगोटिया ने यह रोबोटिक डॉग नहीं बनाया है और न ही हमने कभी ऐसा दावा किया है। लेकिन हम ऐसे दिमाग तैयार कर रहे हैं जो जल्द ही भारत में ऐसी ही टेक्नोलॉजी को डिजाइन करेंगे, उनकी इंजीनियरिंग करेंगे और उन्हें यहीं बनाएंगे। इनोवेशन की कोई सीमा नहीं होती। सीखने की भी नहीं होनी चाहिए।

कांग्रेस बोली- मोदी सरकार ने दुनिया में देश का मजाक बनवाया

कांग्रेस ने इस मामले पर कहा कि मोदी सरकार ने ढ्ढ के मामले में दुनिया भर में भारत का मजाक बनवाया है। ढ्ढ समिट में चीन के रोबोट्स को हमारा बताकर दिखाया जा रहा है। चीनी मीडिया ने हमारा मजाक उड़ाया है। यह भारत के लिए वाकई शर्मिंदगी की बात है। इससे भी ज्यादा शर्मनाक बात यह है कि मोदी के मंत्री अश्विनी वैष्णव भी इसी झूठ में शामिल हैं और भारतीय समिट में चीन के रोबोट्स को प्रमोट कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश की छवि को ऐसा नुकसान पहुंचाया है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। वहीं राहुल गांधी ने कहा कि भारत के टैलेंट और डेटा का सही इस्तेमाल करने के बजाय, यह ढ्ढ समिट एक बिखरा हुआ पीआर तमाशा बनकर रह गया है – जहां भारत का डेटा बिकने के लिए रखा है और चीन के प्रोडक्ट्स का दिखावा किया जा रहा है....

'पायजामे का नाड़ा खींचना दुष्कर्म की कोशिश', सुप्रीम कोर्ट ने पलटा इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि पायजामे का नाड़ा खींचना और स्तन छूना साफ तौर पर दुष्कर्म की कोशिश है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का विवादित फैसला भी पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि नाड़ा खींचना या तोड़ना सिर्फ दुष्कर्म करने की तैयारी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की और 10 फरवरी को उच्च न्यायालय के फैसले को पलटने का आदेश दिया। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पोक्सो कानून के तहत आरोपियों के खिलाफ लगे सख्त आरोपों को भी बहाल कर दिया।

क्या है मामला: 10 नवंबर 2021 को एक महिला ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि वह और उसकी 14 साल की नाबालिग बेटी उसकी ननद के घर से वापस अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान उनके गांव के ही पवन, आकाश और अशोक ने उनकी बेटी को मोटरसाइकिल पर घर छोड़ने की पेशकश की। महिला ने आरोप लगाया कि तीनों आरोपियों ने उसकी बेटी से छेड़छाड़ की और उसके पायजामे का नाड़ा भी खींच लिया। बच्ची की चीख सुनकर दो लोग वहां पहुंचे और उन्हें देखकर तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि विवादित

आदेश आपराधिक न्यायशास्त्र के तय सिद्धांतों के गलत इस्तेमाल के कारण रद्द किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए, पोक्सो कानून के तहत दो आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म की कोशिश के आरोप बहाल कर दिया।

पीठ ने फैसले में कहा, 'जो तथ्य बताए गए हैं, उन्हें देखते हुए, हम हाई कोर्ट के इस नतीजे से सहमत नहीं हो सकते कि आरोपी सिर्फ दुष्कर्म की तैयारी कर रहे थे, कोशिश नहीं।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन आरोपों को सिर्फ देखने से ही इस बात में जरा सा भी शक नहीं रह जाता कि आरोपियों ने दुष्कर्म की कोशिश के तय इरादे से ये सब किया। 17 मार्च, 2025 का विवादित फैसला रद्द किया जाता है, और स्पेशल जज (POCSO), कासगंज का 23 जून, 2023 का असल समन ऑर्डर बहाल किया जाता है।

'सहमति से बने शारीरिक संबंध दुष्कर्म नहीं', महिला के आरोपों पर कलकत्ता हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने एक पुरुष पर महिला की तरफ से लगाए गए दुष्कर्म के आरोपों की सुनवाई के दौरान बड़ा फैसला सुनाया है। मामले में अदालत ने कहा है कि अगर शादी नहीं हो पाती है और रिश्ते टूट गया है, तो सिर्फ इसलिए ही आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंधों को दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। मामले की सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि शुरुआत से ही धोखा देने का इरादा होना चाहिए था। जज ने आगे कहा कि जिस तरह से दोनों (महिला और पुरुष) व्यवहार कर रहे थे, उससे दोनों की आपसी सहमति के संकेत मिल रहे थे।

16 फरवरी को हाईकोर्ट ने रद्द किया था केस : जानकारी के अनुसार, बीते सोमवार (16 फरवरी) को हाईकोर्ट ने आरोपी के खिलाफ दर्ज केस रद्द कर दिया। शख्स पर आरोप थे कि उसने शादी का वादा कर महिला के साथ दुष्कर्म किया और जबरन गर्भपात भी कराया है। इस मामले में जस्टिस चैताली चटर्जी (दास) की बेंच ने कहा कि जब दोनों साथ में घूमे और पति पत्नी की तरह रहे। ऐसे में यह आपसी सहमति दर्शाता है। कोर्ट ने कहा कि शुरुआत से ही धोखा देने या गलत इरादा होना चाहिए था, इसके तहत महिला को यौन संबंध बनाने के लिए प्रेरित किया गया हो।

'शिकायत करने के बजाए महिला ने रिश्ता जारी रखा' : मामले में जज ने आगे टिप्पणी की कि जो रिश्ता साल 2017 में शुरू हुआ और 2022 में कड़वाहट आने तक जारी रहा। इस रिश्ते के दौरान, दोनों ने शारीरिक संबंध बनाए और तमाम जगहों पर घूमे और कई होटलों में पति-पत्नी की भी तरह रहे। दोनों ने यह भी स्वीकार किया गया है कि महिला गर्भवती हो गई थी और पीड़िता और आरोपी की सहमति से गर्भपात कराया गया था।' उन्होंने कहा, 'आरोपी के खिलाफ कोई शिकायत करने के बजाए महिला ने रिश्ता जारी रखा।

वेल्लोर में कोल्लाई उत्सव के दौरान मंदिर का 60 फुट लंबा रथ पलटा, चपेट में आकर सात लोग घायल

वेल्लोर, एजेंसी। तमिलनाडु के वेल्लोर में एक मंदिर का 60 फुट लंबा रथ पलटने से उसकी चपेट में आकर सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह हादसा वेल्लोर में पलार नदी के किनारे आयोजित होने वाले वार्षिक कोल्लाई उत्सव के दौरान हुआ। हादसे में घायल हुए लोगों को अडुक्कम्पराई स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

कैसे हुई घटना : पुलिस ने बताया कि घटना आधी रात के समय हुई, जब कात्पाड़ी के पास कंझिजुर से आ रहे रथ को अनुष्ठान जुलूस के बाद नदी के तल से सड़क पर खींचा जा रहा था। उसी समय रथ का संतुलन बिगड़ गया और वह एक तरफ झुक गया। जिसकी चपेट में आकर सात लोग घायल हो गए।

अमित शाह ने गांधीनगर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का किया अनावरण

गांधीनगर, एजेंसी। गांधीनगर के सेक्टर-21 स्थित महाराष्ट्र भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज की यह प्रतिमा वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को साहस, रणनीति और 'स्वराज' के संकल्प की निरंतर प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की शौर्यगाथा और सुशासन के आदर्श आज भी समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं।

उन्होंने शिवाजी महाराज के ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि जब देश का बड़ा हिस्सा गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, तब मात्र 16 वर्ष की आयु में शिवाजी महाराज ने रायरेश्वर महादेव मंदिर में 'हिंदवी स्वराज' की स्थापना का संकल्प लिया था। माता जीजाबाई के संस्कार और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने स्वतंत्रता और स्वाभिमान की नई राह

दिखाई।

अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज ने मंदिरों की रक्षा और पुनर्स्थापना का जो मार्ग दिखाया, उसी दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और सोमनाथ मंदिर सहित कई धार्मिक स्थलों का विकास किया गया है, जिससे सनातन परंपरा को मजबूती मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि शिवाजी महाराज ने स्वभाषा को महत्व देते हुए प्रशासन में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा दिया और भारतीय नौसेना की नींव रखने का कार्य किया। उन्होंने राष्ट्रीय शायर झवेरचंद मेघाणी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में शिवाजी महाराज की वीरता का वर्णन आज भी बच्चों और युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाता है। मूर्तिकार की कला की सराहना करते हुए अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज की घोड़े पर अग्रसर होती हुई यह प्रतिमा अत्यंत जीवंत और भव्य है, जो गांधीनगर की शोभा बढ़ाने के साथ आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी। इस मौके पर गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक जगदीश विश्वकर्मा, गांधीनगर महापौर मीराबेन पटेल, विधायक रीताबेन पटेल, डिप्टी मेयर नटुजी ठाकोर, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन गौरांग व्यास, गांधीनगर कलेक्टर मेहुल दवे, जिला पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वासम शेट्टी, सोनलबेन शाह, महाराष्ट्र भवन के मैनेजिंग ट्रस्टी सुधीर रघुनाथ विचारे सहित महाराष्ट्र समाज के अनेक लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कांग्रेस सांसद गोगोई बोले- सीएम हिमंता असम के जिन्ना

नेताओं को 'हिंदू सर्टिफिकेट' देना बंद करें, जो भी भाजपा में गया, वह गैरजरूरी हुआ

गुवाहाटी, एजेंसी। असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई ने असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस छोड़कर भाजपा जॉइन करने जा रहे भूपेन कुमार बोरा पर कमेंट किया है। उन्होंने बुधवार को गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- सरमा ने बोरा को कांग्रेस का आखिरी हिंदू नेता बताया है, हिमंता 'असम के जिन्ना' हैं, उन्हें नेताओं को 'हिंदू सर्टिफिकेट' देना बंद करना चाहिए। गोगोई ने कहा- भाजपा में शामिल होने वाले नेता अपने राजनीतिक सफर में गैर जरूरी हो जाते हैं। ऐसा ही हाल असम कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा का होगा। जो 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे। गोगोई ने कहा- जो नेता भाजपा में गए हैं, वे अप्रासंगिक हो गए हैं। सर्बानंद सोनोवाल इसका उदाहरण हैं। एजीपी पार्टी भी लगभग खत्म होने की कगार पर है। भूपेन बोरा के भाजपा में जाने से कांग्रेस पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

यह लड़ाई असली कांग्रेस-पुरानी कांग्रेस के बीच : गोगोई ने कहा है कि कांग्रेस एक मजबूत संगठन है और किसी एक नेता के जाने से पार्टी की चुनावी संभावनाएं प्रभावित नहीं होंगी। आगामी विधानसभा चुनाव में मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच नहीं, बल्कि असली कांग्रेस और पुरानी कांग्रेस के बीच होगा। भाजपा में कई ऐसे नेता हैं, जो पहले कांग्रेस में थे और राज्य में 15 साल के शासन के दौरान भ्रष्टाचार से जुड़े रहे।

भूपेन बोरा का आरोप- गौरव गोगोई ने मुझे अपमानित किया : इधर, कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने पार्टी नेतृत्व, खासकर गौरव गोगोई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बोरा ने कहा कि उन्होंने विभिन्न दलों के साथ गठबंधन वार्ता शुरू की थी, लेकिन 11 फरवरी को गौरव गोगोई ने उन्हें ढ्ढष्स्न नेता रकीबुल हुसैन को बातचीत में शामिल करने को कहा।

प्रधानमंत्री ने गूगल सीईओ सुंदर पिचाई से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट से इतर गूगल एवं अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई से यहां हैदराबाद हाउस में बुधवार को मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में हो रहे कार्यों और गूगल द्वारा भारतीय छात्रों एवं पेशेवरों के साथ मिलकर सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

फरवरी में ही गर्मी की दस्तक, 27 प्रमुख शहरों का तापमान सामान्य से ऊपर; रबी की फसलों पर खतरा बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। फरवरी को आमतौर पर सर्दियों का अंतिम महीना माना जाता है, लेकिन इस साल मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ नजर आ रहा है। महीने के पहले 15 दिनों में ही देश के अधिकतर हिस्सों में दिन और रात दोनों का तापमान सामान्य से ऊपर चला गया। 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के 36 प्रमुख शहरों में से 27 में अधिकतम तापमान औसत से ज्यादा दर्ज किया गया, जबकि 20 राज्यों में कम से कम 10 दिनों तक न्यूनतम तापमान भी सामान्य से ऊपर रहा। कमजोर पश्चिमी विक्षोभों के कारण हुई कम सर्दी की बारिश और बेमौसमी गर्मी ने रबी फसलों, सब्जियों और पशुधन पर प्रतिकूल असर की आशंका बढ़ा दी है, जिससे देश की खाद्य सुरक्षा पर दोहरा दबाव बनता दिख रहा है।

राज्यसभा की 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव, 26 फरवरी से नॉमिनेशन

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 7 सीटें खाली हो रही

राज्य सभा चुनाव का शेड्यूल

- 26 फरवरी : चुनाव की नोटिफिकेशन जारी होगा
- 5 मार्च : नामांकन की आखिरी तारीख है
- 9 मार्च : नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख
- 16 मार्च : सुबह 9 से शाम 4 बजे तक वोटिंग
- 20 मार्च : चुनाव पूरी प्रक्रिया खत्म कर ली जाएगी।

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा की 10 राज्यों की 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होगा। चुनाव आयोग ने बुधवार को इसका ऐलान किया है। जिन सांसदों का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है, उनकी जगह नए सदस्य चुने जाएंगे।

जिन राज्यों में सीटें खाली हो रही हैं, उनमें महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। इन राज्यों से चुने गए 37 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में पूरा हो रहा है।

बैलेट पेपर पर खास पेन से होगी वोटिंग- चुनाव आयोग ने कहा है कि वोट डालते समय केवल रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से दिए गए तय मानक का वॉयलेट रंग का स्केच पेन ही इस्तेमाल होगा। किसी अन्य पेन का उपयोग मान्य नहीं होगा। आयोग ने कहा है कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएंगे।

2027 में बसपा अकेले दम पर लड़ेगी चुनाव : मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को कहा है कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी। वह किसी भी दल से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन से बसपा से नुकसान होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे भ्रामक खबरों पर ध्यान न देकर पार्टी को मजबूत करने में अपना सहयोग दें। बसपा प्रमुख मायावती ने एक पत्रकारवार्ता में कहा है कि मीडिया में चर्चा है कि आगामी 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव बसपा गठबंधन में लडेंगी। उन्होंने कहा कि यह विशुद्ध रूप से पार्टी कार्यकर्तओं और लोगों को गुमराह करने के लिए फेक न्यूज चलवाई गई हैं। यह बिल्कुल गलत, झूठ और मनगढ़ंत खबर है। ऐसे में नेताओं के साथ-साथ मीडिया को भी इस प्रकार की कटी पतंग जैसी उड़ान भरके अपना मजाक खुद उड़ाने से बचना चाहिए।

हिमाचल में ग्रामीणों ने बनाया 'आइस स्केटिंग रिंक', सरकार 10 साल में नहीं बना सकी

84 बच्चे ट्रेनिंग ले रहे, नेशनल से एशियन तक चमके

शिमला, एजेंसी। हिमाचल की राजधानी में एक दशक से ऑल वेदर आइस स्केटिंग रिंक बनाने के सरकारी दावे आज तक कागजों में सीमित हैं, लेकिन शिमला से सटे चियोग के स्थानीय लोगों ने अपने दम पर वह कर दिखाया, जो सरकार नहीं कर सकी। यहां ग्रामीणों ने अपने आराध्य देवता सोगू की जमीन पर पहाड़ी को समतल कर एक शानदार 'आइस स्केटिंग रिंक' तैयार किया है।

अब यहां एक-दो नहीं 84 बच्चे स्केटिंग में अपना भविष्य गढ़ रहे हैं। इस पहल में ध्यान खींचने वाली बात यह है कि रिंक बिना सरकारी मदद के स्थानीय जागरूक लोगों के सामूहिक प्रयास और जुनून से तैयार हुआ है। ग्रामीणों ने पहले पहाड़ी को समतल किया और इंटरनेशनल स्टैंडर्ड (30×60 मीटर) का आइस स्केटिंग रिंक बनाया।

चियोग के इस रिंक में दूर-दूर से बच्चे आइस स्केटिंग सीखने पहुंच रहे हैं। स्केटिंग के प्रति बच्चों में ऐसी दीवानगी है कि सुबह छह-सात बजे, जब लोग ठंड के कारण बिस्तर में दुबके होते हैं, उस समय बच्चे यहां अभ्यास कर रहे होते हैं। ट्रेनिंग सुबह 7 से 10 बजे तक स्केटिंग होती है। दोपहर बाद 4 से 6 बजे तक ऑफ-आइस प्रेक्टिस कराई जाती है।

गांव के रिंक से निकल रहे इंटरनेशनल खिलाड़ी : इसी का परिणाम है कि कई बच्चे आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। इस रिंक से 14 बच्चे इस साल ओपन नेशनल चैंपियनशिप, 6 बच्चे 'खेलो इंडिया' में भाग ले चुके हैं, जबकि मात्र 8 साल के रुद्रवीर गांगटा एशियन चैम्पियनशिप में मेडल जीत चुके हैं।

यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सीमित संसाधनों के बावजूद अगर सही माहौल और मार्गदर्शन मिले, तो गांव के बच्चे भी अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंच सकते हैं।

एशियन चैम्पियनशिप में मेडल जीता- रुद्रवीर: शिमला निवासी रुद्रवीर गांगटा ने बताया कि वह एक साल से चियोग रिंक में अभ्यास कर रहे हैं। यहां प्रशिक्षण लेने के बाद उन्होंने नेशनल स्तर पर सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि एशियन चैम्पियनशिप में भी ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया है।

चियोग निवासी शुभम ठाकुर ने बताया कि वह दो साल से आइस स्केटिंग का अभ्यास कर रहे हैं। वह 'खेलो इंडिया' और एक नेशनल प्रतियोगिता में भाग ले चुके हैं। वहीं नोर्विन ने बताया कि उन्होंने नेशनल गेम्स में भाग लिया है। वह कोच प्रदीप कंवर और रविंद्र से स्केटिंग की ट्रेनिंग ले रहे हैं।

बच्चों के सपनों का केंद्र बना रिंक

चियोग का यह रिंक अब केवल एक खेल मैदान नहीं, बल्कि गांव के बच्चों के सपनों का केंद्र बन चुका है। यहां से निकल रहे खिलाड़ी यह साबित कर रहे हैं कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती।

राष्ट्रीय स्तर तक पहचान बना चुके कई बच्चे: रोबिन

स्थानीय निवासी रोबिन वर्मा ने बताया कि स्थानीय लोगों ने आपस में पैसा इकट्ठा करके आइस स्केटिंग रिंक तैयार किया है। यहां 84 बच्चे रोजाना स्केटिंग की ट्रेनिंग ले रहे हैं और कई बच्चे राष्ट्रीय स्तर तक पहचान बना चुके हैं। उन्होंने बताया कि चियोग रिंक में दिसंबर से लगातार स्केटिंग हो रही है। शुरुआत में जब बर्फ नहीं गिरी थी, तो शाम के समय रिंक में पानी डालकर बर्फ जमाई जाती थी। यह प्रक्रिया बेहद मुश्किल और चुनौतीपूर्ण होती है। बढ़ते तापमान के बीच बर्फ तैयार करना आसान नहीं होता। उन्होंने बताया कि कोच प्रदीप कंवर के मार्गदर्शन में बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं, जबकि कोच रविंद्र भी लगातार बच्चों को स्केटिंग सिखा रहे हैं।

गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड से हटेगा बंधवाड़ी टोल प्लाजा खत्म हो रहा कॉन्ट्रैक्ट; वाहन चालकों को मिलेगा लाभ

गुरुग्राम-फरीदाबाद, एजेंसी। गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर बंधवाड़ी टोल प्लाजा का कॉन्ट्रैक्ट तीन माह बाद खत्म होने से वाहन चालकों को टोल टैक्स के साथ ही ट्रैफिक जाम से भी राहत मिलने की संभावना बढ़ गई है। टोल कंपनी और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के बीच कॉन्ट्रैक्ट 31 मई 2026 को खत्म हो रहा है। पीडब्ल्यूडी की ओर से फिलहाल टोल कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट आगे बढ़ाने का कोई विचार नहीं है। इससे 50 से 60 हजार दैनिक यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। टोल प्लाजा से प्रतिदिन 50 से 60 हजार से अधिक वाहन निकलते हैं। इनमें से अधिक वाहन गुरुग्राम-फरीदाबाद के होते हैं। अन्य इलाकों में दिल्ली के वाहनों की संख्या अधिक रहती है। पिछले कई वर्षों में टोल प्लाजा के जाम से लोग परेशान हो रहे हैं।

लोगों को जाम से मिलेगी : यहां पर फास्टैग की सुविधा शुरू होने से लोगों को कुछ राहत तो मिली है, लेकिन लोग टोल प्लाजा को पूरी तरह हटता देखना चाहते हैं। इसके हटने से लोगों को जाम से मुक्ति मिल सकेगी। इससे नौकरीपेशा लोगों के साथ आपातकालीन वाहनों को भी जाम से मुक्ति मिलेगी। यहां ट्रैफिक के फंसे रहने से प्रदूषण भी बढ़ता है। टोल प्लाजा पर कार चालकों से एक तरफ के लिए 40 रुपये टोल टैक्स वसूला जाता है, जबकि 24 घंटे के अंदर आने-जाने के लिए 60 रुपये चुकाने पड़ते हैं।

अनुबंध बढ़ाने का विचार नहीं - पीडब्ल्यूडी : पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता चरणदीप सिंह ने कहा कि मुख्यालय की ओर से गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर टोल कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट आगे बढ़ाने का भी कोई विचार नहीं है। टोल समाप्त की जानकारी सरकार को भेजी जाएगी। प्रदेश सरकार की ओर से टोल बढ़ाने या खत्म करने का फैसला लिया जाएगा। वहीं, यहां पर फास्टैग की सुविधा शुरू होने से लोगों को कुछ राहत तो मिली है, लेकिन लोग टोल प्लाजा को पूरी तरह हटता देखना चाहते हैं। यदि टोल प्लाजा हटता है तो रोजाना लगने वाला जाम से भी मुक्ति मिल जाएगी।

अंडरपास पर शेड लगाने में देरी पर जवाब मांगा : वहीं, गुरुग्राम में अतुल कटारिया चौक के अंडरपास पर शेड लगाने में लगातार देरी हो रही है। निर्माण कार्य में देरी होने पर ठेकेदार से जवाब गया है। चौक पर एक तरफ शेड का काम अधूरा है। दूसरी तरफ लगाने का काम जारी है।

ट्रैफिक विभाग से एक सप्ताह का समय मिला था, लेकिन एक महीने से अधिक समय होने के बाद शेड लगाने का कार्य पूरा नहीं हो सका है। पीडब्ल्यूडी की ओर से चार करोड़ रुपये का ठेका जारी करके शेड लगाने का काम नवंबर 2026 में शुरू कर दिया गया। अंडरपास के दोनों ओर से लोहे के पिलर खड़े कर दिए गए, लेकिन ऊपर शेड लगाने के लिए ट्रैफिक बाधा बन रही थी। एक हफ्ते की परमिशन मिलने के बाद सिग्नेचर टावर की ओर से माता रोड पर जाने वाले वाहनों को अंडरपास के ऊपर से निकाला जा रहा है। पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता सुनील कुमार ने कहा कि अतुल कटारिया अंडरपास पर शेड लगाने का कार्य में देरी होने पर ठेकदार से जवाब मांगा है।

तो रद्द हो सकती है स्कूल की मान्यता, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की सख्त चेतावनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं को लेकर इस बार कड़े इंतजाम किए गए हैं। बोर्ड ने निजी स्कूलों को भी सख्त चेतावनी दी है। यदि किसी निजी स्कूल का नाम पेपर लीक मामले में सामने आता है और जांच में दोष सिद्ध होता है, तो संबंधित स्कूल पर जुर्माने के साथ उसकी मान्यता तक रद्द की जा सकती है।

जिम्मेदारी तय की गई : गुरुग्राम जिले में बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर शिक्षा विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी परीक्षा केंद्र पर गड़बड़ी, नकल या पेपर लीक की घटना सामने आती है और परीक्षा दोबारा करानी पड़ती है, तो उसका पूरा खर्च संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों से वसूला जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारियों के अनुसार, परीक्षा केंद्रों पर नियुक्त केंद्र अधीक्षक, उप-अधीक्षक, पर्यवेक्षक और ड्यूटी स्टाफ की जिम्मेदारी तय कर दी गई है।

आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा : किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर विभागीय कार्रवाई के साथ आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा। बोर्ड ने निजी स्कूलों को भी सख्त चेतावनी दी है। यदि किसी निजी स्कूल का नाम पेपर लीक मामले में सामने आता है और जांच में दोष सिद्ध होता है, तो संबंधित स्कूल पर जुर्माने के साथ उसकी मान्यता तक रद्द की जा सकती है।

कैमरों की निगरानी रहेगी : सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और ऑनलाइन रिकॉर्डिंग व्यवस्था अनिवार्य की गई है। परीक्षा कक्षों की रिकॉर्डिंग कम से कम छह माह तक सुरक्षित रखनी होगी। इसके अलावा, परीक्षा केंद्रों के कमरों की खिड़कियों और दरवाजों की जांच, बाहरी हस्तक्षेप पर रोक, तथा केंद्र के 500 मीटर के दायरे में अनावश्यक भीड़ न होने देने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

उड़नदस्ते भी नजर रखेंगे : किसी केंद्र से पेपर आउट होने या परीक्षा रद्द होने की स्थिति बनती है, तो दोबारा परीक्षा आयोजित कराने में आने वाला पूरा खर्च संबंधित केंद्र स्टाफ और जिम्मेदार अधिकारियों से वसूला जाएगा। गुरुग्राम में परीक्षा केंद्रों पर प्रशासनिक अधिकारियों की उड़नदस्ते भी निगरानी रखेंगे। शिक्षा विभाग का कहना है कि इस बार परीक्षा को नकलमुक्त और पारदर्शी बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

नोएडा में 10 हजार गाड़ियों पर लगी रोक, दौड़ती मिलीं तो हो जाएंगी सीज

नोएडा, एजेंसी। नोएडा जिले की सड़कों पर दस हजार से ज्यादा गाड़ियां नहीं दौड़ सकेंगी। परिवहन विभाग ने इन गाड़ियों का पंजीकरण प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया है। साथ ही इन गाड़ियों को कबाड़ घोषित कर दिया गया है। इसके बाद भी यह गाड़ियां अगर सड़कों पर दौड़ते मिलेंगे तो सीज कर दिए जाएंगे। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 तक 10508 गाड़ियों का पंजीकरण प्रमाण पत्र निरस्त किया गया था। इसमें 10 साल पुराने 1542 डीजल वाहन और 15 साल पुरानी 8966 पेट्रोल गाड़ियां शामिल हैं। समयसीमा पूरी होने के कारण यह प्रक्रिया की गई है। आरटीओ प्रशासन नंदकुमार ने कहा कि समयसीमा पूरी करने वाले वाहनों का पंजीकरण प्रमाण पत्र पहले निलंबित किया जाता है और इसके बाद समयानुसार निरस्त करने की प्रक्रिया की जाती है। हालांकि इस प्रक्रिया को करने से पहले गाड़ी मालिकों को नोटिस भेजा जाता है। गाड़ी मालिक इन गाड़ियों को दिल्ली-एनसीआर से बाहर दूसरे जिले में परिवहन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करके ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिन वाहन मालिकों ने अपनी गाड़ियां कबाड़ में बेच दी हैं वे परिवहन विभाग में पहुंचकर पंजीकरण निरस्त करवा लें। ऐसा न करने पर सबसे ज्यादा नुकसान व्यावसायिक वाहन मालिकों को होती है। व्यावसायिक वाहनों पर रोड टैक्स बनता रहता है। साथ ही जुर्माना भी लगता है। नोटिस मिलने के बाद वाहन मालिक परिवहन विभाग पहुंचकर इस बात की जानकारी देते हैं कि वे गाड़ी को बेच चुके हैं ।

न कोई जमीन न जायदाद, बेरोजगार युवक के हाथ फिर कैसे लगी फेरारी

पेरिस, एजेंसी। फेरारी कंपनी की कार काफी महंगी होती है। इस कार कंपनी की गाड़ी को खरीदना किसी आम आदमी के लिए खरीदना काफी मुश्किल होता है, वहीं किसी बेरोजगार के लिए, जिसके पास जमीन और जायदाद भी न हो, उसके लिए इस फेरारी खरीदना काफी बड़ी बात है।

बेरोजगार के हाथ कैसे लगी फेरारी : फ्रांस से ऐसे ही एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां ट्रैफिक पुलिस ने एक चमकीली लाल फेरारी पोटोफिनो को 250 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलाते हुए रोका। फ्रांस की ट्रैफिक पुलिस ने जब फेरारी चला रहे शख्स के बारे में छानबीन की, तब सरकारी रिकॉर्ड में वह बेघर और बेरोजगार निकलेगा। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह और उसका परिवार फ्रांसीसी परिवार भत्ता कोष पर निर्भर है।

पुलिस ने लिया एक्शन : युवक ने फेरारी को अपनी मां की कार बताया, लेकिन रिकॉर्ड से पता चला कि यह कार एक रियल एस्टेट कंपनी के नाम पर रजिस्टर थी। युवक और उसका परिवार शौक-मौज की जिंदगी जीते थे, लेकिन कागजों पर इन्होंने खुद को बेरोजगार और दिवालिया घोषित किया हुआ था। पुलिस के मुताबिक, युवक और उसके परिवार ने कुल मिलाकर सामाजिक लाभों में कम से कम 21 लाख डॉलर का गबन किया। भारतीय मुद्रा में ये राशि 19 करोड़ रुपये के करीब है।

अमृतसर के युवक की कनाडा में गोली मारकर हत्या

अमृतसर, एजेंसी। अमृतसर के जंडियाला गुरु के नजदीक गांव देवीदासपुरा के रहने वाले युवक सिमरनजीत सिंह संधू का शुक्रवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। उसकी करीब 1 महीने पहले कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। युवक का शव झाड़ियों से बरामद हुआ। इसके बाद गुरुवार को ही युवक का शव पंजाब लाया गया था। परिजन का आरोप है कि इसके साथ रहने वाले लोगों ने ही इसकी हत्या की है। युवक करीब 2 महीने पहले ही 2 युवकों और एक युवती के साथ नए घर में शिफ्ट हुआ था। उसके पास 10 लाख रुपए थे, जो उसने लास्ट टाइम हुई वीडियो कॉल पर दिखाए भी थे। उन्हीं रुपयों के लिए युवक की हत्या की गई है।

जेन-जेड तलाश रहे एक्स्ट्रा कमाई के दूसरे ऑप्शन

57 प्रतिशत युवाओं के लिए सिर्फ एक सैलरी ही काफी नहीं

न्यूयार्क, एजेंसी। युवाओं में नौकरी को लेकर नया ट्रेंड सामने आया है। जेन-जी अब केवल एक नौकरी तक सीमित नहीं रह रहे, वह अपने शौक और पैसे कमाने के लिए कई ऑप्शन तलाश रहे हैं।

अमेरिका में हैरिस पोल के सर्वे के मुताबिक, 57 फीसद युवा पार्ट टाइम जॉब के साथ फ्रीलांसिंग या साइड हसल कर रहे हैं। इनमें पॉडकास्ट, कंटेंट क्रिएशन या इलस्ट्रेशन जैसे ऑप्शन शामिल हैं।

पार्ट टाइम जॉब के साथ कंटेंट क्रिएशन : युवा आर्थिक स्थिरता के साथ ही अपने सपनों को जीने की आजादी भी चाहते हैं। इसके लिए वे नौकरी के साथ सोशल नेटवर्किंग साइट पर भी कंटेंट क्रिएशन से लेकर पॉडकास्टिंग जैसे काम भी कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क में भी कई लोग नौकरी के साथ पॉडकास्ट और सोशल मीडिया के लिए वीडियो बना रहे हैं।

भारत में भी यह ट्रेंड तेजी से बढ़ता जा रहा है, जहां युवा जॉब के अलावा असली पहचान अपने जुनून वाले कामों से बना रहे हैं।

सेकंड ऑप्शन के साथ क्यों चल रहे युवा : युवाओं में नौकरी को लेकर विश्वास कम होता जा रहा है। उन्हें लगता है कि आज नौकरी है, शायद कल हो या न हो। ऐसे में वे अपना काम शुरू करके खुद को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। अमेरिका में कई लोग ड्यूटी के बाद डिजिटल पेंटिंग और ग्राफिक्स का काम करते हैं। लोग दिन में स्टोर की नौकरी करते हैं और रात में अपने हुनर को क्लाइंट्स तक पहुंचाते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, आने वाले समय में कंपनियां युवाओं को केवल सैलरी के दम पर नहीं रोक पाएंगी, उन्हें काम में लचीलापन लाना होगा।

समंदर में ट्रंप का हंटर ऑपरेशन! अमेरिकी सेना ने नशीले पदार्थों से भरी 3 नावों को उड़ाया, 11 तस्कर ढेर

वाशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला पर सैन्य दबाव बनाने के बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रग तस्करों और नारको टेररिस्ट के खिलाफ अपनी जंग और तेज कर दी है। अमेरिकी सेना के ऑपरेशन सदर्न स्पीयर के तहत प्रशांत और कैरिबियाई सागर में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है जिसमें नशीले पदार्थों की तस्करी कर रही तीन नावों को निशाना बनाया गया। इस सैन्य हमले में कुल 11 लोगों की मौत हुई है।

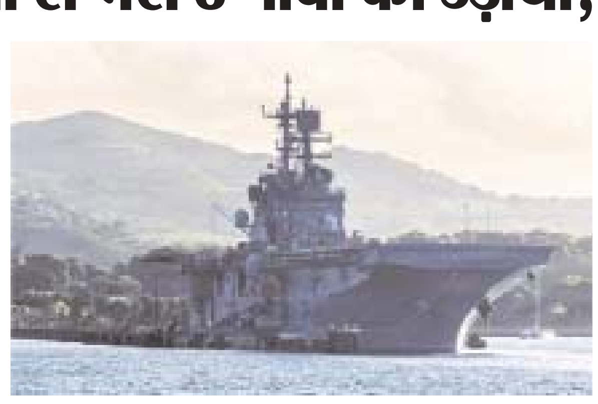

प्रशांत और कैरिबियाई सागर में सर्जिकल स्ट्राइक : प्रेस टीवी और अमेरिकी साउदर्न कमांड के अनुसार यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। यहां दो अलग-अलग नावों पर हमला किया गया। प्रत्येक नाव पर 4-4 लोग सवार थे जिनकी इस हमले में मौत हो गई।यहां 3 लोगों को ले जा रही एक तीसरी नाव को अमेरिकी सेना ने नष्ट कर दिया। अमेरिकी सेना ने इस पूरे ऑपरेशन का एक वीडियो भी जारी किया है जिसमें समुद्र के बीचों-बीच तस्करी के जहाजों को निशाना बनाते हुए देखा जा सकता है।

कौन थे ये लोग? अमेरिकी सेना का दावा : अमेरिकी दक्षिणी कमान ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि ये तीनों नौकाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नामित आतंकवादी संगठनों द्वारा संचालित की जा रही थीं। ये जहाज उन रास्तों से गुजर रहे थे जो नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए कुख्यात हैं। सेना का कहना है कि ये केवल तस्कर नहीं बल्कि नारको टेररिस्ट (नशे का कारोबार करने वाले आतंकी) थे।

सितंबर 2025 से जारी है मौत का आंकड़ा : डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर शुरू हुआ ऑपरेशन सदर्न स्पीयर अब तक का सबसे विवादास्पद और आक्रामक सैन्य अभियान माना जा रहा है। सितंबर 2025 से अब तक इस अभियान के तहत कम से कम 145 नारको टेररिस्ट मारे जा चुके हैं। अमेरिका का लक्ष्य लैटिन अमेरिका से आने वाले ड्रग्स के रास्तों को पूरी तरह बंद करना और उन संगठनों की कमर तोड़ना है जो नशे की तस्करी से आतंकी गतिविधियों को फंड करते हैं।

विवाद और बढ़ता तनाव : जहां एक ओर ट्रंप प्रशासन इसे अमेरिका की सुरक्षा के लिए जरूरी बता रहा है वहीं दूसरी ओर बिना किसी कानूनी ट्रायल के समुद्र में लोगों को निशाना बनाने पर मानवाधिकार संगठन सवाल उठा रहे हैं। वेनेजुएला पर हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद इस ऑपरेशन ने लैटिन अमेरिकी क्षेत्र में तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है।

अमेरिका में धूल से तबाही: हाईवे पर 30 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं, 4 की मौत व 29 घायल

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो राज्य में मंगलवार को आई धूल भरी भीषण आंधी ने जानलेवा हादसे को जन्म दिया। तेज हवाओं के कारण उड़ती धूल से दृश्यता लगभग शून्य हो गई, जिसके चलते पुएब्लो के दक्षिण में इंटरस्टेट-25 पर 30 से अधिक वाहन एक-दूसरे से टकरा गए। कोलोराडो स्टेट पेट्रोल के अनुसार, यह हादसा पूर्वाह्न लगभग 10 बजे हुआ, जब अचानक तेज हवाओं के साथ धूल का गुबार उठ खड़ा हुआ। वाहन चालकों को सड़क पर आगे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, जिससे एक के बाद एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते चले गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 29 घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घायलों की स्थिति को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। गश्ती दल की प्रवक्ता शेरी मेंडेज ने कहा कि अत्यंत कम दृश्यता को दुर्घटना का प्रमुख कारण माना जा रहा है, हालांकि अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है।

पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में बाघ के हमले में एक और मछुआरे की मौत

कोलकाता, एजेंसी। एक हफ्ते के भीतर पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में बाघ के हमले में एक और मछुआरे की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान रामपद बर्मन (45) के रूप में हुई है। वह दक्षिण 24 परगना जिले के गोसाबा क्षेत्र के छोटा मोल्लाखली कालिदासपुर गांव का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार, रामपद और उसके साथी मंगलवार को जरूरी अनुमति लेकर जंगल में केकड़े पकड़ने गए थे। इसी दौरान घने जंगल में एक बाघ ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथ मौजूद अन्य मछुआरों ने हिम्मत दिखाते हुए बाघ को भगाया और रामपद को बचाया। इसके बाद उसे नाव से गांव लाया गया और तुरंत पास के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। लेकिन, बाद में उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर सुंदरबन कोस्टल पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बुधवार को उसका पोस्टमार्टम किया जाएगा। साउथ 24 परगना (दक्षिण) डिवीजन की डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर निशा गोस्वामी ने कहा, ÷शुरुआत में जो लोग मारे गए, वे अनुमति लेकर जंगल में गए थे। वे वन विभाग के नियमों का पालन करते हुए केकड़े इकट्ठा कर रहे थे। इसके अलावा, मछुआरों को बार-बार जागरूक किया जाता है कि जंगल में जाते समय वे ज्यादा सावधानी बरतें। गौरतलब है कि सुंदरबन इलाके में बाघ के हमले की घटनाएं नई नहीं हैं। रोजी-रोटी की तलाश में कई लोग हर दिन घने जंगल में चले जाते हैं। मृतक रामपद बर्मन के परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं। इससे पहले 8 फरवरी को दक्षिण 24 परगना जिले के पाथरप्रतिमा ब्लॉक में कलास आइलैंड के पास के इलाके में केकड़े पकड़ते समय बाघ के हमले में एक युवक की मौत हो गई थी। बताया गया कि बाघ उसे उसकी पत्नी के सामने ही जंगल के अंदर खींचकर ले गया था। एक दिन बाद उसका शव बरामद हुआ।

आर्मी की युद्धक तैयारी, एआई के दम पर 'किल चेन' को स्मार्ट बनाने की पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन आर्मी अब टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर कई बड़ी पहल कर रही है। राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान सेना ने साफ कर दिया कि आने वाले समय की लड़ाई सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जीती जाएगी। यहां बुधवार को 'स्मार्टाइजिंग द किल चेन' विषय पर हुए एक खास सेमिनार में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के दिग्गज और बड़े शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञ जुटे। इसका मकसद था, कैसे एआई के जरिए हथियारों, वाहनों, ड्रोन और दूसरे सैन्य प्लेटफॉर्म्स को इतना स्मार्ट बनाया जाए कि युद्ध के हर चरण में तेजी, सटीकता और प्रभावशीलता बढ़े। एआई की मदद से अब मशीनें पहले ही बता देंगी कि कौन सा सिस्टम कब खराब हो सकता है, किस हिस्से में दिक्कत आने वाली है और कहां संसाधन पहले से भेजने होंगे। यानी अब मरम्मत बाद में नहीं, पहले से तैयारी होगी। यहां डीजी ईएमई लेफ्टिनेंट जनरल राजीव कुमार साहनी ने कहा कि उद्योग जगत के पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर ऑपरेशनल सटीकता प्रभावी बनाने का बड़ा अवसर है। बड़ी मात्रा में सेंसर से मिलने वाले डेटा को कार्रवाई योग्य जानकारी में बदला जा सकता है। उभरते खतरों का पहले से अनुमान लगाया जा सकता है और पुराने हथियार सिस्टम को आधुनिक, डेटा-सक्षम और स्मार्ट प्लेटफॉर्म में अपग्रेड किया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्नत एनालिटिक्स के जरिए इंजीनियरिंग सपोर्ट को तेज करना जरूरी है, ताकि ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स अधिक मजबूत और सक्रिय बन सके। साथ ही उन्होंने भविष्य के युद्ध में निर्णायक बढ़त हासिल करने के लिए मानव रहित हवाई प्रणालियों, काउंटर-यूएएस सिस्टम और रोबोटिक प्लेटफॉर्म्स में एआई के एकीकरण पर भी विस्तार से चर्चा की। सेना मौजूदा हथियार सिस्टम और प्लेटफॉर्म्स को भी स्मार्ट बना रही है। उनमें सेंसर लगाए जा रहे हैं। इससे बिना ज्यादा खर्च किए मौजूदा संसाधनों की ताकत कई गुना बढ़ाई जा सकेगी। सेमिनार में यह भी चर्चा हुई कि ड्रोन, काउंटर-ड्रोन सिस्टम और रोबोटिक प्लेटफॉर्म्स में एआई का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे स्पष्ट है कि भविष्य के युद्धों में इंसान से ज्यादा मशीनों की भूमिका होगी और जो सेना टेक्नोलॉजी में आगे होगी, वही बढ़त बनाएगी। लॉजिस्टिक्स यानी सप्लाई सिस्टम को भी पूरी तरह एआई से जोड़ने की तैयारी है। कौन सा स्पेयर पार्ट कब खत्म होगा, किस फॉर्मेशन में कितनी जरूरत पड़ेगी, किस सिस्टम को कब सर्विस की जरूरत है, यह सब पहले से अनुमान लगाकर संसाधन भेजे जाएंगे। इससे डाउनटाइम कम होगा और ऑपरेशनल टेंपो बना रहेगा। सेना के अनुसार सबसे अहम बात यह रही कि अब इंजीनियरिंग सपोर्ट सीधे कमांड फैसलों से जुड़ा होगा। कमांडर को रियल टाइम में पता होगा कि किस यूनिट के पास कौन सा उपकरण पूरी तरह तैयार है और कौन सा सिस्टम मेंटेनेंस में है। यानी फैसले और भी तेज और सटीक होंगे।

इस कार्यक्रम ने संकेत दिया है कि इंडियन आर्मी सिर्फ हथियार नहीं, बल्कि 'स्मार्ट वॉरफेयर सिस्टम' तैयार कर रही है। स्वदेशी नवाचार, इंडस्ट्री और अकादमिक जगत के साथ साझेदारी और एआई आधारित समाधान के जरिए सेना भविष्य की जंग के लिए खुद को पूरी तरह तैयार कर रही है। विशेषज्ञों का कहना है अब लड़ाई सिर्फ मैदान में नहीं, डेटा और एल्गोरिद्म के स्तर पर भी लड़ी जाएगी और इंडियन आर्मी उस दिशा में तेजी से आगे बढ़ चुकी है।

ममता बनर्जी के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली, अब 18 मार्च को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। आई- पैक रेड मामले में ममता बनर्जी के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी। अदालत में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि ईडी आज ही अपना जवाब दाखिल कर देगी। प्रवर्तन निदेशालय ने आई-पैक के दफ्तरों पर छापेमारी के दौरान कथित दखलअंदाजी का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार और कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज कुमार को पक्षकार बनाया गया है। ईडी ने इन तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने अदालत में दाखिल अपने हलफनामे में ईडी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कोलकाता स्थित आई-पैक कार्यालयों में तलाशी के नाम पर ईडी अधिकारियों ने तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा गोपनीय और चुनावी रणनीति का डेटा जब्त कर लिया। उनके अनुसार यह कार्रवाई न केवल अवैध थी, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दखल देने जैसी भी है। ममता बनर्जी ने अपने हलफनामे में कहा कि जैसे ही उन्हें जानकारी मिली कि आई-पैक के दफ्तरों में तलाशी चल रही है और वहां पार्टी का संवेदनशील डेटा मौजूद है, वह खुद वहां पहुंचीं। उनका कहना है कि उनका उद्देश्य केवल पार्टी की गोपनीय सामग्री को सुरक्षित रखना था ।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में 'परिवार के बदलते प्रतिमान' विषय पर छात्र संगोष्ठी आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के कुशल निर्देशन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंसें समाजशास्त्र विभाग द्वारा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए 'परिवार के बदलते प्रतिमान' विषय पर छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ प्रारंभ में सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र डॉ. गंगा बैरागी ने विषय की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान सामाजिक परिवेश में परिवार संस्था का अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो गया है उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती सामाजिक संरचना, जीवनशैली और मूल्यों के कारण पारिवारिक स्वरूप में निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं, जिनका समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल विषयगत ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को समाज के प्रति उनके दायित्वों का बोध कराना भी है उन्होंने कहा कि समाज निर्माण की शुरुआत व्यक्ति और उसके परिवार से होती है यदि परिवार मजबूत और संस्कारित होगा, तो समाज भी सुदृढ़ एवं समरस बनेगा समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार सोनी ने परिवार की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए नगरीकरण और औद्योगीकरण को पारिवारिक विघटन के प्रमुख कारणों में शामिल बताया उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवारों का विघटन और एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति सामाजिक संबंधों को प्रभावित कर रही है यदि पारिवारिक मूल्यों और संवाद पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में अकेलापन, चिंता (एंजायटी) और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं गंभीर रूप ले सकती है।

कक्षा पांचवीं एवं आठवीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षा 20 फरवरी से

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के राज्य शिक्षा केंद्र के आदेशानुसार तथा कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन एवं जिला शिक्षा केंद्र के मार्गदर्शन में कक्षा पांचवीं एवं आठवीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षा 20 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी कुसमी विकासखंड में यह परीक्षा कुल 45 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न होगी। इन केंद्रों में 219 विद्यालयों के कुल 3,816 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे इनमें कक्षा पांचवीं के 2,125 तथा कक्षा आठवीं के 1,691 विद्यार्थी शामिल हैं परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नपत्रों के सुरक्षित संधारण, वितरण तथा उत्तरपुस्तिकाओं के संकलन हेतु जनशिक्षा केंद्रों को इकाई बनाया गया है प्रतिदिन संबंधित केंद्राध्यक्ष अथवा सहायक केंद्राध्यक्ष जनशिक्षा केंद्र से प्रश्नपत्र प्राप्त करेंगे परीक्षा समाप्ति के तुरंत बाद उत्तरपुस्तिकाएं संकलन केंद्र (जनशिक्षा केंद्र) में अनिवार्य रूप से जमा कराई जाएंगी बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि ब्लॉक स्तर पर सभी केंद्राध्यक्षों एवं सहायक केंद्राध्यक्षों की विशेष बैठक एवं प्रशिक्षण आयोजित कर परीक्षा संचालन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए है।

पुजारी की हत्या जातीय नफरत का परिणाम : नारायण त्रिपाठी

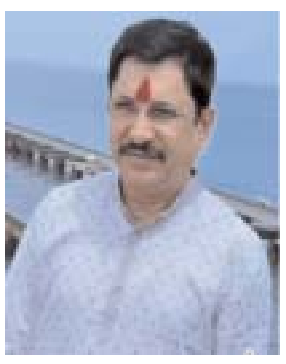

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश के सीधी जिले में हाल ही में हुई पुजारी की निर्मम हत्या की घटना को लेकर मैहर के पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है उन्होंने इस घटना को जातीय और सामाजिक नफरत का परिणाम बताते हुए इसके लिए सत्तारूढ़ दल की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है त्रिपाठी ने कहा कि आज देश के समूचे समाज में जिस प्रकार की वैचारिक और सामाजिक दूरी बढ़ी है वह राजनीतिक वातावरण का परिणाम है उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की राजनीति ने समाज में व्यापक स्तर पर नफरत का माहौल तैयार किया है जिसके कारण गांव से लेकर शहर तक एक जाति दूसरी जाति से और एक धर्म दूसरे धर्म से दूरी बना रहा है उन्होंने कहा कि पहले समाज में आपसी सद्भाव और भाईचारा था, लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े होते थे लेकिन अब वह स्थिति धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है पूर्व विधायक ने अपने बयान में कहा कि भारत की परंपरा में साधु-संत और धार्मिक गुरु समाज को दिशा देने का कार्य करते रहे हैं, लेकिन उन्होंने कभी सत्ता में बैठने की आकांक्षा नहीं की उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में बड़े धार्मिक पदों पर आसीन व्यक्तियों पर विभिन्न प्रकार के आरोप लगाए जा रहे हैं, जिससे समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण बन रहा है त्रिपाठी ने कहा कि जब साधु-संतों, पुजारियों, शंकराचार्यों और मठाधीशों के विरुद्ध राजनीतिक षड्यंत्र के तहत आरोप लगाए जाते हैं तो उससे जनभावनाओं में द्वेष और नफरत फैलती है उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में धार्मिक संस्थाओं और परंपराओं के प्रति सम्मान प्रभावित होता है जिसका दुष्परिणाम समाज को भुगतना पड़ता है उन्होंने यह भी कहा कि देश में ऐसे लोग सक्रिय हैं जो धार्मिक ग्रंथों और परंपराओं को नहीं मानते, लेकिन स्वयं को धर्मगुरु के रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं यदि प्रतिष्ठित पदों पर आसीन व्यक्तियों पर बिना ठोस आधार के आरोप लगाए जाते हैं तो इससे धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचती है नारायण त्रिपाठी ने कहा कि सीधी में हुई पुजारी की हत्या केवल एक आपराधिक घटना नहीं है बल्कि यह समाज में बढ़ती वैमनस्यता का संकेत है उन्होंने समाज के बुद्धिजीवियों से आत्ममंथन करने की अपील करते हुए कहा कि यह वही देश है जहां विभिन्न वर्गों और धर्मों के लोग सदियों से भाईचारे के साथ रहते आए हैं अंत में उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे सामाजिक सौहार्द बनाए रखें, किसी भी प्रकार के षड्यंत्र या भ्रामक प्रचार से सावधान रहें और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सजग रहें।

ई-ऑफिस में दक्ष बनें अधिकारी-कर्मचारी नहीं तो रुकेगा वेतन संभागीय उपायुक्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा संभाग के संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जे.पी. यादव ने जिले के भ्रमण के दौरान सहायक आयुक्त कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर कार्यप्रणाली की समीक्षा की बैठक में उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों के कंप्यूटर ज्ञान का परीक्षण किया परीक्षण में पाया गया कि अधिकांश कर्मचारी अपना कार्य स्वयं कंप्यूटर पर करने में दक्ष नहीं हैं इस पर उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी दो माह के भीतर सभी संबंधित कर्मचारी अनिवार्य रूप से कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर ई-ऑफिस प्रणाली में दक्षता हासिल करें उन्होंने स्पष्ट कहा कि वर्तमान समय में समस्त शासकीय कार्य ई-ऑफिस प्रणाली से संचालित हो रहे हैं, अत: तकनीकी दक्षता अनिवार्य है निर्धारित समयावधि के बाद प्रशिक्षण न लेने अथवा ई-ऑफिस प्रणाली से कार्य न करने वालेअधिकारी/कर्मचारियों के विरुद्ध कार्य नहीं, वेतन नहीं के सिद्धांत के तहत वेतन रोके जाने की कार्रवाई की जा सकती है साथ ही सभी की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए ई-अटेंडेंस दर्ज करने तथा कार्य का युक्तिसंगत एवं सुव्यवस्थित विभाजन करने के निर्देश भी दिए गए भ्रमण के दौरान यादव ने एकलव्य विद्यालय टंसार पहुंचकर शिक्षकों एवं छात्राओं से शैक्षणिक गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य रामपाल सिंह उपस्थित रहे उन्होंने मंगलवार रात्रि 8.30 बजे अंग्रेजी बालक आश्रम कुसमी तथा बुधवार प्रात: कन्या शिक्षा परिसर कुसमी का आकस्मिक निरीक्षण किया।

दो नायब तहसीलदारों को नोटिस, एक पटवारी निलंबित कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों में लापरवाही पर की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। कलेक्टर गौरव बैनल ने बुधवार को देवसर तहसील के उज्जैनी, बड़ोखर और बरगवा तहसीलदार न्यायालयों का औचक निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने नामांतरण, सीमांकन और बंटवारा सहित अन्य लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की कई प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण न होने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की निरीक्षण के दौरान लापरवाही पाए जाने पर प्रभारी नायब तहसीलदार बरगवा नागेश्वर पनिका और प्रभारी नायब तहसीलदार बड़ोखर दिनेश कुमार पनिका को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है इन अधिकारियों को तीन दिन के भीतर संतोषजनक जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है कलेक्टर देवसर तहसील के उज्जैनी, बड़ोखर न्यायालयों का औचक निरीक्षण किया कलेक्टर देवसर तहसील के उज्जैनी, बड़ोखर न्यायालयों का औचक निरीक्षण किया इसके अतिरिक्त, राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में पटवारी हल्का देवरा अजमेर सिंह को निलंबित करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए।

कॉलेज भवन निर्माण में अनियमितता के आरोप, सरकारी पैसे की खुली लूट गुणवत्ता युक्त काम की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सरकारी संजय गांधी महाविद्यालय में 2.60 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे भवन में अनियमितताओं के आरोप हैं भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के प्रदेश सचिव विक्रांत सिंह परिहार ने प्राचार्य के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण किया जिसमें गुणवत्ता, पारदर्शिता और श्रमिक सुरक्षा में खामियां मिलने का दावा किया निरीक्षण के दौरान निर्माण स्थल पर अनिवार्य सूचना बोर्ड नहीं मिला, जिससे कार्य की पारदर्शिता पर सवाल उठे मौके पर मौजूद साइट इंजीनियर निर्माण एजेंसी का नाम नहीं बता सके और केवल ठेकेदार जेपी यादव का जिक्र किया महाविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य एजेंसी के जरिए हो रहा है निर्माण स्थल का निरीक्षण करते एनएसयूआई पदाधिकारी और प्राचार्य एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि निर्माण में इस्तेमाल हो रहे एएसी स्लैब/ब्लॉक और एम-25 सीमेंट ब्रिक ब्लॉक के गुणवत्ता प्रमाणपत्र व टेस्ट रिपोर्ट मौके पर उपलब्ध नहीं थे श्रमिकों के पास हेलमेट, सेफ्टी शूज और हार्नेस बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरण भी नहीं पाए गए प्राथमिक उपचार और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी अभाव दिखा संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि मजदूरों को नकद भुगतान किया जा रहा है और पीएफ कटौती के दावों में पारदर्शिता नहीं है निरीक्षण के समय लेबर रजिस्टर भी प्रस्तुत नहीं किया गया निर्माण स्थल पर नंगे बिजली के तार फैले होने की बात भी सामने आई जिससे दुर्घटना का खतरा बताया गया प्रदेश सचिव विक्रांत सिंह परिहार ने इस स्थिति पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'यह निर्माण नहीं, सरकारी पैसे की खुली लूट है।

ट्रेलर से टकराई बाइक, युवक की मौत; मुड़वानी डैम के पास हादसा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जयंत चौकी क्षेत्र में मंगलवार रात करीब 11 बजे हुए हादसे में युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया मुडवानी डैम के पास कोयला परिवहन में लगे ट्रेलर से बाइक टकराने के बाद घटना हुई मृतक की पहचान मोहम्मद समीर के रूप में हुई है। घायल राहुल कुमार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है हादसा तब हुआ, जब मुडवानी डैम से जयंत जाने वाले मार्ग पर एक ट्रेलर ब्रेकडाउन होने के बाद सड़क किनारे खड़ा था जयंत की ओर से मोरवा जा रहे बाइक सवार दोनों युवक ट्रेलर के पिछले हिस्से से टकरा कर नीचे फंस गए सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची दोनों घायलों को सीसीएल के नेहरू शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया जयंत चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह परिहार ने बताया कि उपचार के दौरान मोहम्मद समीर ने दम तोड़ दिया, जबकि राहुल कुमार की हालत गंभीर बनी हुई है।

एकलव्य छात्रावास से 11वीं की छात्रा लापता :पाइप से उतरते देखी गई, अपहरण का मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर ,सिंगरौली (निप्र)। जिले के एकलव्य आवासीय विद्यालय छात्रावास, ग्राम हर्री से 11वीं कक्षा की 16 वर्षीय छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है इस मामले में पुलिस ने अपहरण का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है छात्रा के लापता होने का खुलासा मंगलवार सुबह उस समय हुआ, जब छात्रावास की वॉर्डन ने नियमित हाजिरी ली। अटेंडेंस के दौरान एक छात्रा के अनुपस्थित पाए जाने पर हड़कंप मच गया जानकारी के अनुसार, संबंधित छात्रा के कमरे की अन्य छात्राएं छुट्टी पर थीं और वह रात में कमरे में अकेली सो रही थी बगल के कमरे में रहने वाली एक छात्रा ने बताया कि सोमवार रात करीब 10 बजे के बाद उसने लापता छात्रा को छात्रावास परिसर में बने सेप्टिक टैंक के पाइप के सहारे नीचे उतरते देखा था हालांकि, उसने रात में इस संबंध में किसी को सूचना नहीं दी थी सुबह छात्रा के नहीं मिलने पर यह जानकारी सामने आई छात्रावास की वॉर्डन उमंग भारद्वाज ने सोहागपुर थाना में मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और छात्रा की तलाश के लिए विभिन्न संभावित स्थानों पर खोजबीन की जा रही है छात्रावास परिसर और आसपास के क्षेत्रों की भी गहनता से जांच की जा रही है उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू पर जांच का आश्वासन दिया गौरतलब है कि सोहागपुर थाना क्षेत्र के छात्रावासों से छात्राओं के लापता होने की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं जिससे अभिभावकों में चिंता का माहौल है पुलिस ने शीघ्र ही छात्रा को सकुशल बरामद करने का भरोसा दिलाया है।

गोपाल दास डैम पर एनडीआरएफकी मॉक ड्रिल, डूबते लोगों का किया सफल रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। गोपाल दास डैम पर तैनात राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 11वीं वाहिनी वाराणसी द्वारा बाढ़ आपदा पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया इस दौरान बचाव दल की सतर्कता, त्वरित प्रतिक्रिया और मानव जीवन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रभावी प्रदर्शन देखने को मिला मॉक ड्रिल के तहत परिकल्पित स्थिति में एक सिविल बोट पर सवार तीन-चार व्यक्ति बोटिंग के दौरान सेल्फी लेते समय असंतुलित होकर पानी में गिर गए और डूबने लगे घटना की सूचना मिलते ही एसडीईआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बिना समय गंवाए रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया। प्रशिक्षित बचाव कर्मियों ने डूबते हुए व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला, प्राथमिक उपचार प्रदान किया तथा आवश्यकतानुसार उन्नत उपचार के लिए अस्पताल भेजा टीम की त्वरित एवं साहसिक कार्रवाई ने संभावित जनहानि को टालते हुए आपदा प्रबंधन में उनकी दक्षता को प्रदर्शित कियाउल्लेखनीय है कि यह मॉक ड्रिल उपमहानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के दिशा-निर्देशन में आयोजित की गई एनडीआरएफ नागरिकों की सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है यह अभ्यास बल के आदर्श वाक्य आपदा सेवा सदैव तत्पर को चरितार्थ करता है उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट एल.बी. कोल, आरआई वीरेन्द्र कुंवरे, थाना प्रभारी जमोड़ी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, थाना प्रभारी सेमरिया केदार परौहा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में सभी राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंको के अधिकारीगण के साथ मीटिंग का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागलाल दिनकर के मार्गदर्शन में यतीन्द्र कुमार गुरू विशेष न्यायाधीश एवं प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत की अध्यक्षता में 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु बुधवार दिनांक 18 फरवरी 2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में सभी राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंको के अधिकारीगण के साथ मीटिंग का आयोजन किया गया विशेष न्यायाधीश एवं प्रभारी अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक विभाग लोक अदालत हेतु अपने लंबित प्रकरणों की अद्यतन सूची तैयार कर समय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीधी को उपलब्ध कराए साथ ही ऐसे प्रकरण जिनमें सामंजस्य की संभावना है उन्हे प्राथमिकता के आधार पर लोक अदालत में प्रस्तुत किया जाए उक्त मीटिंग के दौरान प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी ने बताया कि लोक अदालत न केवल न्यायालयों का भार कम करने का माध्यम है बल्कि यह आम नागरिकों को कम समय कम खर्च एवं आपसी समझौते से सरल एवं किफायती न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी मंच है जहॉं आपसी सहमति के माध्यम से वर्षों से लंबित प्रकरणों का समाधान संभव है सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य विवादों का सौहार्दपूर्ण एवं शीघ्र समाधान है और इसके लिए सभी विभागों एवं राष्ट्रीयकृत बैंको के अधिकारियों से आग्रह किया कि वे लोक अदालत योग्य प्रकरणों को चिन्हित कर समय रहते सूचीबद्ध करें, जिससे अधिक से अधिक मामलों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से किया जा सके नेशनल लोक अदालत में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा।

फसल बीमा का पूरा लाभ मिले किसान को

संपादकीय

एक दशक पूर्व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना यानी पीएमएफबीवाई इस मकसद से शुरू की गई थी कि देश के अन्नदाता के हित तमाम ऊंच-नीच में सुरक्षित रह सकें। सदियों से प्राकृतिक आपदाओं का त्रास पीढ़ी-दर-पीढ़ी भुगतते किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने का प्रयास मोदी सरकार ने किया था। मकसद था किसान हितों को प्राथमिकता दी जाए। लेकिन जिस पीएमएफबीवाई के आज दस साल पूरे हो रहे हैं, वह आज एक चुनौतिपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। जिसके वास्तविक लाभों पर मंथन करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दरअसल, मोदी सरकार ने वर्ष 2016 में खेती-किसानी में एक बड़े जोखिम को कम से कम करने का प्रयास किया था। फसल बीमा से किसानों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। दरअसल, इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य किसानों को जलवायु और बाजारों की बढ़ती अस्थिरता से बचाना था। लेकिन विडंबना यही है कि इस योजना के अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाये। बल्कि यह योजना बीमा कंपनियों के लिये दुधारू गाय बनकर रह गई। यहां तक कि भाजपा शासित राज्यों हरियाणा और राजस्थान से मिली प्राथमिक जानकारी से पता चला है कि इस योजना का लाभ किसान के बजाय बीमा कंपनियां जमकर उठा रही हैं। वर्ष 2023 से 2025 के बीच, हरियाणा में बीमा कंपनियों ने पीएमएफबीवाई के तहत 2,827 करोड़ रुपये का सकल प्रीमियम एकत्र किया था। लेकिन जहां तक फसलों को हुई क्षति के लिये दावों के भुगतान का प्रश्न है, केवल 731 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया गया है। यानी बीमा कंपनियों को सीधे-सीधे 2,000 करोड़ से अधिक का लाभ हुआ है। इतना ही नहीं, शेष देश के आंकड़े भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। केवल तीन वर्षों में ही 82,015 करोड़ रुपये बीमा कंपनियों द्वारा प्रीमियम के रूप में एकत्रित किए गए। जबकि किसानों को क्षतिपूर्ति के लिये मात्र 34,799 करोड़ रुपये ही वितरित किए गए। बीमा कंपनियों को 47,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ हुआ। यह विडंबना ही है कि जिस महत्वाकांक्षी फसल बीमा योजना को किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिये लाया गया था, वो बीमा कर्पनियों की मुनाफाखोरी का जरिया बन गई है। निश्चय ही देश की खाद्य सुरक्षा व किसान हित में योजना को बीमा कंपनियों के मुनाफे का जरिया बनने से रोकने की जरूरत है। बल्कि फसल बीमा योजना के क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि किसान को अधिक लाभ मिल सके। हरियाणा के कुछ हिस्सों में किसानों के दावों में की जाने वाली देरी अथवा किसानों के दावे खारिज किए जाने के खिलाफ धरना देने की बात भी सामने आई है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान में फसल बीमा योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं।

विकास की धड़कन बना असम ब्रह्मपुत्र पर सेतु और अंडरवाटर टनल से बदलती क्षेत्रीय तस्वीर

कांतिलाल मांडोत

असम की धरती पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी की जनसभा में भारत माता की जय का उद्घोष किया, तो वह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि उत्तर-पूर्व के विकास को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का संदेश भी था। उनके संबोधन में संगठन की शक्ति, कार्यकर्ताओं के समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प की झलक दिखाई दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 2014 के बाद उत्तर-पूर्व को प्राथमिकता दी गई है और यह क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। असम, जो लंबे समय तक भौगोलिक दूरी और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पिछड़ा माना जाता था, आज बड़े प्रोजेक्ट्स के जरिए नए युग में प्रवेश कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने 6-लेन के आधुनिक पुल कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। लगभग 3,030 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह पुल गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी को जोड़ता है। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है, जो इंजीनियरिंग की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके बन जाने से दोनों शहरों के बीच यात्रा समय घटकर मात्र सात मिनट रह जाएगा। इससे न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। ब्रह्मपुत्र, जो असम की जीवनरेखा है, अब विकास का सेतु बन चुकी है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी उल्लेख किया कि पिछले वर्षों में उत्तर-पूर्व के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस क्षेत्र की प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि को राष्ट्रीय मंच पर उचित पहचान मिल रही है। लंबे समय तक उपेक्षित रहे इस भूभाग को अब देश के विकास मानचित्र में प्रमुख स्थान दिया जा रहा है।

विकास की इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली ट्विन-ट्यूब अंडरवाटर रेल एवं सड़क टनल को मंजूरी दी है। यह परियोजना गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच बनाई जाएगी। लगभग 15.8 किलोमीटर लंबी यह टनल तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल और महत्वाकांक्षी है। पूरे प्रोजेक्ट, जिसमें अप्रोच रोड और रेलवे ट्रैक भी शामिल हैं, की लंबाई 33.7 किलोमीटर होगी और इस पर लगभग 18,600 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इस टनल के बन जाने से वर्तमान में 240 किलोमीटर की दूरी घटकर लगभग 34 किलोमीटर रह जाएगी। इससे न केवल समय और ईंधन की बचत होगी, बल्कि क्षेत्रीय संपर्क भी सुदृढ़ होगा। यह परियोजना सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपात स्थिति में सेना और आवश्यक संसाधनों की तेजी से आवाजाही संभव हो सकेगी। एक ट्यूब में सिंगल रेल ट्रैक की सुविधा होगी और ट्रेनें बिजली से संचालित होंगी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि ट्रेन के गुजरने के दौरान सड़क यातायात नियंत्रित रहेगा। इसमें बैलिस्टिक ट्रैक जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जो इसे अत्याधुनिक संरचना बनाता है। इन परियोजनाओं का महत्व केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं है। उत्तर-पूर्व भारत लंबे समय से भौगोलिक अलगाव और सीमित बुनियादी ढांचे के कारण आर्थिक रूप से पीछे रहा है। जब मजबूत पुल, आधुनिक सड़कें और सुरक्षित रेल नेटवर्क तैयार होते हैं, तो वे केवल दो स्थानों को नहीं जोड़ते, बल्कि संभावनाओं को जोड़ते हैं। इससे उद्योग, कृषि, पर्यटन और छोटे व्यवसायों को नई ऊर्जा मिलती है। असम, जो प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध है, अब बेहतर संपर्क के कारण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से अधिक प्रभावी ढंग से जुड़ सकेगा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में संगठन की शक्ति और कार्यकर्ताओं के योगदान का विशेष उल्लेख किया। उनका कहना था कि भारतीय जनता पार्टी जहां भी पहुंची है, वह कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और राष्ट्र के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रजीवन में परिवर्तन का आधार संगठन की शक्ति होती है। यह संदेश केवल राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरक है।

भगवान राम सभी के आंतरिक साक्षी

> ऐतिहासिक महाकाव्यों को संस्कृति की आत्मा माना जाता है, जिनमें समझने और लागू करने लायक अनगिनत मनोवैज्ञानिक अवधारणाएँ निहित हैं। इतिहास से ही, रामायण और श्रीमद्भगवद्गीता धार्मिक समझ और विश्वासों का मूल रहे हैं और साथ ही कठिन समय में मानव जाति का मार्गदर्शन भी किया है। रामायण के नायक भगवान राम हैं, जिन्हें सम्मानपूर्वक मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, जिसका अर्थ है एक मज़बूत नैतिक आधार। इस चरित्र का अध्ययन महाकाव्य के प्रमुख प्रसंगों में अलग-अलग रूप से किया जा सकता है।

संजय गोस्वामी

धार्मिक पुस्तकों के रूप में कार्य करने के अलावा, महाकाव्य एक परिकल्पित और संकल्पित जीवनशैली के आदर्श के लिए आधारशिला का काम करते हैं। इसमें ज़िम्मेदार, तार्किक, स्वीकार करने वाला, देखभाल करने वाला, प्रशासनिक, प्रेरक, भावनात्मक रूप से स्थिर होना आदि शामिल हैं। भगवान राम और उनकी कार्य पर सोच वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके नैतिक मूल्यों, विशेषताओं और आदर्शवाद का उदाहरण प्रस्तुत करती है। भगवान राम इतिहास में एक अद्वितीय पात्र हैं जिनमें एक ही पहचान में सभी अच्छे गुण मौजूद हैं, जिससे तकनीकी रूप से उन्हें दोबारा पाना असंभव है। उन्हें एक आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति, आदर्श पिता और एक आदर्श नेता/ राजा के रूप में वर्णित किया गया है। यहाँ तक कि महाभारत - दूसरे हिंदू महाकाव्य में भी, उन्हें एक आदर्श नैतिक पहचान बताया गया है हिंदू पौराणिक कथाओं में प्रायः अवतार कहे जाने वाले भगवान राम को पृथ्वी पर ईश्वर का एक जीवंत अवतार कहा जाता है जो बढ़ती बुराइयों को दूर करने और लोगों के मन और चरित्र को शुद्ध और निष्प्रभावी बनाने के लिए प्रकट हुए। रामायण में कई उपाख्यान दिए गए हैं जो जागरूकता और तर्कसंगत सोच को बढ़ाने और आनंदमय जीवन जीने के लिए तकनीक उपचार और सकारात्मक मानसिकता के रूप में काम करते हैं।

भारत के महाकाव्य में अन्य प्रमुख पात्रों की भी भूमिकाएँ पाई जाती हैं जो भगवान राम को सर्वाधिक आदर्श व्यक्ति के रूप में स्थापित करती हैं, जैसे रावण - प्रतिपक्षी, लक्ष्मण - राम के भाई, माता सीता - राम की पत्नी, भरत - राम के भाई और हनुमान - शिष्य, संकटमोचक और राम के मित्र। 1. प्रेरणा प्रेरणा का सबसे अच्छा उदाहरण वाल्मीकिकृत श्री रामचरितमानस किष्किन्धा कांड में देखा जा सकता है। जब वानर सेना - भगवान राम और हनुमान के नेतृत्व में वानरों की टीम माता सीता को बचाने के लिए लंका पहुँचने हेतु हिंद महासागर के तट पर पहुँची, तो समुद्र को पार करना आवश्यक था - एक ऐसा कार्य जो लगभग असंभव था। इस समय, प्रेरणा कारक ही सबसे अधिक काम आया। श्लोकों के अनुसार, टीम के सभी सदस्यों ने हनुमान की स्तुति करना शुरू कर दिया ताकि उन्हें उनकी क्षमताओं और सामर्थ्य के बारे में बल और प्रेरणा मिले, जिन्हें वे अपनी पिछली शरारतों के कारण भूल गए थे। स्तुति ने हनुमान को और भी सशक्त बनाया जिससे बाद में उन्हें कार्य पूरा करने में मदद मिली। जैसा कि निम्नलिखित अंश में बताया गया है: 'फिर भालुओं के राजा हनुमान की ओर मुड़ेः हे पराक्रमी हनुमान, सुनोः तुम चुप कैसे हो? पवन-देवता के पुत्र, तुम अपने पिता के समान बलवान हो और बुद्धि, विवेक और आध्यात्मिक ज्ञान के भंडार हो। इस संसार में ऐसा कौन सा कार्य है जो तुम्हारे लिए पूरा करना बहुत कठिन हो, प्रिय बालक? भगवान राम की सेवा के लिए ही तुम पृथ्वी पर अवतरित हुए हो। जैसे ही हनुमान ने ये शब्द सुने, वे एक पर्वत के आकार के हो गए और उनका शरीर सोने की तरह चमक रहा था और वैभव से परिपूर्ण था मानो वे पर्वतों के एक और राजा (सुमेरु) हों। सिंह की तरह बार-बार दहाड़ते हुए उन्होंने कहा, मैं आसानी से सागर को पार कर सकता हूँ और रावण को उसकी पूरी सेना सहित मारकर त्रिकूट पर्वत को उखाड़कर यहाँ ला सकता हूँ। (रामचरितमानस, किष्किन्धा काण्ड, दोहा-29)। उपरोक्त अंश में, प्रेरणा को हनुमान के शरीर और शक्ति के विस्तार के रूप में इस प्रकार दर्शाया गया है कि समुद्र पार करने जैसा असंभव कार्य भी संभव हो जाता है और हनुमान उड़कर लंका पहुँच जाते हैं। हालाँकि, उपरोक्त प्रसंग प्रेरणा की सार्वभौमिक और मनोवैज्ञानिक अवधारणा को सुदृढ़ीकरण के माध्यम से स्थापित करता है, जो दर्शाता है कि कैसे प्रशंसा असंभव को संभव बनाने वाले सुदृढ़ीकरण कारक के रूप में कार्य करती है। 2. राजनीतिक जवाबदेही स्त्री सुरक्षा के साथ भूमिका संघर्ष के बीच संतुलन के प्रदर्शन के रूप में न केवल प्रेरणा में, बल्कि एक महान होने की नैतिकता को भगवान राम ने पूरा किया है। जनता के बीच, 14 साल के वनवास से अयोध्या लौटने के बाद माता सीता द्वारा दी गई अग्निपरीक्षा के बारे में एक बड़ी भ्रांति है। अरण्य कांड, दोहा 23 के अंश स्पष्ट रूप से बताते हैं कि अग्नि परीक्षा कोई परीक्षा नहीं थी, बल्कि यह वनवास के दौरान बाहरी खतरों से माता सीता की सुरक्षा के लिए एक सुनियोजित रणनीति थी। पूर्व वनवास काल में एक ऐसा ही प्रसंग घटित हुआ था जो है कि सहमति से, माता सीता ने अग्नि में प्रवेश किया था और बाहरी दुनिया के विश्वास के लिए उनका केवल एक छाया भाग ही बचा था। यहाँ तक कि लक्ष्मण को भी इस विचार से अनजान रखा गया था। अंश इस प्रकार हैः सुनो, मेरे प्रिय, तुम मेरे प्रति निष्ठा के पवित्र व्रत में दृढ़ रहे हो और आचरण में इतने सदाचारी होः मैं एक सुंदर मानवीय भूमिका निभाने जा रहा हूँ। जब तक मैं राक्षसों का विनाश पूरा नहीं कर लेता, तब तक अग्नि में रहो। भगवान राम ने जैसे ही उसे सब कुछ विस्तार से बताया, उसने भगवान के चरणों की छवि अपने हृदय पर अंकित कर ली और अग्नि में प्रवेश कर गई, और भगवान के साथ केवल अपनी एक परछाई छोड़ गई हालाँकि वह बिल्कुल वैसी ही थी, वैसी ही सौम्य और कोमल स्वभाव। लक्ष्मण को भी यह रहस्य नहीं पता था कि भगवान ने परदे के पीछे क्या किया था।' (रामचरितमानस, अरण्यकांड, दोहा-23) भगवान राम की शानदार विजय और अयोध्या वापसी के बाद, दूसरी अग्निपरीक्षा - जिसे इस बार स्त्रीत्व और सत्य की पवित्रता सिद्ध करने की परीक्षा के रूप में देखा गया - बुलाई गई। हालाँकि इसे सार्वजनिक रूप से अग्निपरीक्षा कहा जाता है, लेकिन इसे भगवान राम की माँग के प्रभाव से उत्पन्न माँग के रूप में देखा जाता है, लेकिन वास्तव में, जनता को अरण्यकांड के दौरान पहले वाले प्रकरण के बारे में पता नहीं था, जैसा कि ऊपर वर्णित है। जैसा कि लंकाकांड के दोहा 107 और 108 में अग्निपरीक्षा का वर्णन करते हुए कहा गया हैः सीता (यह स्मरण रहेगा) पहले अग्नि में समाहित थीं अब उन्हें वापस प्रकाश में लाने का प्रयास कर रहे थे। (रामचरितमानस, लंका कांड, चौपाई 107) 'सीता ने, हालाँकि, भगवान की आज्ञा को नमन किया - वे मन, वचन और कर्म से शुद्ध थीं - और कहा, 'लक्ष्मण, इस पवित्र अनुष्ठान को करने में एक पुरोहित के रूप में मेरी सहायता करें और शीघ्र ही मेरे लिए अग्नि प्रज्वलित करें।' जब लक्ष्मण ने सीता के ये शब्द सुने, जो (अपने प्रभु से) वियोग के कारण उत्पन्न पीड़ा से भरे हुए थे और आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि, धर्मपरायणता और विवेक से ओतप्रोत थे, उनकी आँखों में आँसू आ गए और उन्होंने प्रार्थना में अपने हाथ जोड़ लिए; लेकिन वे भी भगवान से एक शब्द भी नहीं बोल सके। हालाँकि, श्री राम की मौन स्वीकृति को पढ़कर, लक्ष्मण दौड़े और अग्नि प्रज्वलित करने के बाद बहुत सारी लकड़ियाँ ले आए। विदेह की पुत्री उस धधकती हुई अग्नि को देखकर हृदय से प्रसन्न हुई और बिल्कुल भी विचलित नहीं हुई। 'यदि मन, वचन और कर्म से मैंने कभी भी रघुवंश के वीर के अतिरिक्त किसी और पर अपना मन नहीं लगाया है, तो यह अग्नि, जो सभी मनों की क्रियाओं को जानती है, मेरे लिए चन्दन के समान शीतल हो जाए।' (रामचरितमानस, लंकाकाण्ड, दोहा -108) 'प्रभु पर ध्यान केंद्रित करते हुए, मिथिला की राजकुमारी ने लपटों में प्रवेश किया जैसे वे चन्दन के समान शीतल हों, और चिल्लाई 'कोशल के स्वामी की जय हो, जिनके चरणों की पूजा महान भगवान शिव अत्यंत भक्ति से करते हैं!' उनका छाया-रूप और सामाजिक कलंक (रावण के यहाँ जबरन निवास करने के कारण) दोनों ही धधकती अग्नि में भस्म हो गए, लेकिन भगवान के कार्यों का रहस्य कोई नहीं जान सका। यहाँ तक कि देवता, सिद्ध और ऋषि भी हवा में देखते रह गए। अग्नि ने एक भौतिक रूप धारण किया और, वेदों और संसार में समान रूप से प्रतिष्ठित वास्तविक श्री (सीता) का हाथ पकड़कर, उन्हें भगवान राम के पास ले गई और उन्हें प्रस्तुत किया, ठीक उसी प्रकार जैसे क्षीरसागर ने देवी इंदिरा (लक्ष्मी) को भगवान विष्णु के पास प्रस्तुत किया था। श्री राम के बाईं ओर खड़ी होकर, वे अपने अति सुंदर सौंदर्य से ऐसे चमक रही थीं जैसे एक ताज़ा नीले कमल के पास सोने की कुमुदिनी की कली। (रामचरितमानस, लंका कांड, छंद - 108) इससे पता चलता है कि अग्निपरीक्षा करने के दो कारण थे।

सर्वविदित कारण पवित्रता की परीक्षा का जन दबाव था, जो उस समय की प्रचलित सामाजिक वर्जनाओं को उजागर करता है, जबकि दूसरा कारण माता सीता को उनके मूल स्वरूप में वापस लाना था। यह अंश एक व्यक्ति में भूमिका संघर्ष के मनोविज्ञान और उसके सबसे उचित रूप में प्रयोग को दर्शाता है। एक भूमिका भगवान राम से एक उत्तरदायी राजा होने की अपेक्षा करती है जो जनता की माँगों का पालन करे, जबकि दूसरी भूमिका एक ज़िम्मेदार और देखभाल करने वाले पति की है। यदि राजा की भूमिका की अनदेखी की जाती है, तो समाज को भारी नुकसान के कारण किसी प्रांत में कानून-व्यवस्था दांव पर लग सकती है और यदि पति की भूमिका की अनदेखी की जाती है, तो नैतिक अन्याय होगा। 3. भावनात्मक स्थिरता और समायोजन क्षमता भगवान राम एक ऐसे चरित्र हैं जो कठिन से कठिन समय में भी उच्च भावनात्मक स्थिरता प्रदर्शित करते हैं। यह क्षमता 1) अयोध्या के राजा के रूप में राज्याभिषेक, 2) 14 वर्ष के वनवास के आदेश, 3) युद्धभूमि में प्रिय भाई लक्ष्मण के घातक रूप से घायल होने के दौरान देखी जा सकती है। राज्याभिषेक के दौरान, अयोध्या के राजा (राम) में कोई अहंकारी नहीं उभरता और न ही लक्ष्मण के घायल होने के दौरान राम पर कोई लाचारी या दुःख मंडराता है। वनवास के आदेश के प्रसंग को एक उदाहरण के रूप में विस्तार से उद्धृत किया गया है जहाँ भगवान राम में एक स्थिर और स्वीकार करने वाला स्वभाव पाया जाता है जो मन की शांति नहीं खोते। हर संभावित नकारात्मक स्थिति में एक सकारात्मक विचार प्रक्रिया सक्रिय रूप से काम करती दिखाई देती है। अयोध्या कांड के छंद 40 के निम्नलिखित अंश में कहा गया हैः 'कैकेयी ने बिना किसी हिचकिचाहट के ये तीखे शब्द कहे, जिन्हें सुनकर कठोरता स्वयं भी अत्यंत व्यथित हो गई। जीभ धनुष के समान, शब्द अनेक बाणों के समान और राजा को मानो एक नाजुक लक्ष्य के समान, ऐसा लग रहा था मानो कठोर हृदय ने एक महान वीर का रूप धारण कर लिया हो और धनुर्विद्या का अभ्यास कर लिया हो। रघुनाथजी (भगवान राम) को पूरी घटना बताकर वह हृदयहीनता की साक्षात अवतार की तरह बैठ गई। सूर्यवंश के सूर्य, भगवान राम, जो आनंद के स्वाभाविक स्रोत हैं, मन ही मन मुस्कुराए और ऐसे वचन बोले जो सभी दोषों से मुक्त थे और इतने मधुर और मनभावन थे कि वे वाणी के आभूषण प्रतीत हो रहे थे; 'सुनो, माँः वही पुत्र धन्य है, जो अपने माता-पिता के वचनों पर अडिग रहता है। ऐसा पुत्र जो अपने माता-पिता को प्रसन्न करे, इस संसार में दुर्लभ है, माँ।' (रामचरितमानस, अयोध्याकांड, चौपाई 40) 'वन में मुझे साधु-संतों से मिलने के और भी अवसर मिलेंगे, जो मेरे लिए हर तरह से लाभदायक होंगे।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026: नवाचार से राष्ट्र निर्माण तक

> आज का समय तकनीक का समय है, या यूँ कहें कि हम तकनीक के युग में सांस ले रहे हैं। यह तकनीक ही है, जो मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक बना रही है, लेकिन इसके साथ-साथ हमारी सोच, कार्यशैली और आदतें भी आज बदल रही है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इस परिवर्तन का सबसे प्रमुख उदाहरण बनकर उभरी है। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दुनिया भर में आधुनिक तकनीकों के विकास और नवाचार पर विशेष जोर बढ़ा है। आज दुनिया के विभिन्न देश अपनी नीतियों में नई-नई तकनीकों व नवाचारों को शामिल कर अपने देश की विभिन्न पारंपरिक कार्यप्रणालियों को लगातार बदल रहे हैं।

सुनील कुमार महला

विशेष रूप से एआई ने वैश्विक स्तर पर कार्य प्रणाली और मानव भूमिका को गहराई से प्रभावित किया है, इसलिए आज इसे विकास के लिए अनिवार्य और बहुत ही अहम् माना जा रहा है। इसी संदर्भ में, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण एआई शिखर सम्मेलन(इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026; 16 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक) आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य एआई की संभावनाओं, इसकी चुनौतियों, रोजगार पर इसका प्रभाव और आम जीवन में इसके उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज एआई का दायरा स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, कारोबार और रक्षा जैसे क्षेत्रों तक फैल चुका है, जिससे नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन यह भी कटु सत्य है कि रोजगार पर प्रभाव, जोखिम, डेटा सुरक्षा और पर्यावरणीय असर जैसी चिंताएँ भी इसके कारण सामने आई हैं। विशेष रूप से डेटा केंद्रों में ऊर्जा और पानी की बढ़ती खपत को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं। इसलिए एआई आधारित विकास को सफल बनाने के लिए इसके लाभों के साथ-साथ संभावित खतरों के समाधान पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के आयोजन का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। यह पाँच दिवसीय कार्यक्रम

ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला प्रमुख एआई शिखर सम्मेलन माना जा रहा है, जिसमें 300 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं और एआई नीति तथा नवाचार पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। गौरतलब है कि यह समिट भारत मंडपम सहित नई दिल्ली के विभिन्न स्थलों पर आयोजित हो रही है तथा इसमें 100 से अधिक देशों की भागीदारी है, साथ ही शीर्ष तकनीकी कंपनियों जैसे गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी(सीईओ), शोधकर्ता, नीति-निर्माता और कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हो रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम के दौरान 500 से अधिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि 800 से अधिक प्रदर्शक, स्टार्टअप, शोध संस्थान और राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल इसमें भाग ले रहे हैं।

16-20 फरवरी तक आयोजित यह एआई शिखर सम्मेलन भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) के क्षेत्र में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है, जबकि उससे आगे केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी टूल के अनुसार भारत का स्कोर 21.59 है, जबकि अमेरिका का 78.6 और चीन का 36.95 है। इस सूचकांक में भारत कई विकसित देशों जैसे दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, जापान, कनाडा, जर्मनी और फ्रांस से आगे है। भारत वर्तमान में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ एआई के क्षेत्र में अग्रणी विकासशील देश भी बन चुका है। इसलिए इस स्तर का वैश्विक आयोजन पहली बार किसी विकासशील देश में होना ऐतिहासिक माना जा रहा है। सम्मेलन में 13 देशों के लगभग 300 पवेलियन वाले एक्सपो का आयोजन भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को भी प्रदर्शित करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई के माध्यम से आम लोगों तक तकनीक के लाभ पहुँचाने, सस्ती तकनीक उपलब्ध कराने और वैश्विक असमानताओं को कम करने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, बशर्ते देश निवेश बढ़ाए, प्रतिभाओं को बनाए रखे और अनुकूल तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करे।

वास्तव में, यह समागम विश्व के सबसे बड़े एआई आयोजनों में से एक माना जा रहा है और ग्लोबल साउथ में आयोजित पहली बड़ी एआई शिखर बैठक के रूप में देखा जा रहा है, जिससे भारत सहित विभिन्न विकासशील देशों की भूमिका मजबूत होगी। सम्मेलन में एआई आधारित नवाचार, प्रतियोगिताएँ, हैकाथॉन तथा करोड़ों रुपये के पुरस्कार वाले कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इससे विभिन्न देशों को उद्योग और निवेश के अवसर मिल रहे हैं, साथ ही एआई के वास्तविक उपयोग (एप्लीकेशन), स्टार्टअप सहयोग और व्यापारिक साझेदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

यदि हम यहां पर इस समिट के प्रमुख उद्देश्यों की बात करें तो, इनमें क्रमशः समावेशी और जिम्मेदार एआई विकास (एआई सभी के लिए और अच्छे के लिए), वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना, विकसित और विकासशील देशों के बीच तकनीकी अंतर को कम करना, सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देना (स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग और पर्यावरण में सुधार), सुरक्षित, विश्वसनीय और नैतिक एआई के लिए अंतरराष्ट्रीय नीति संवाद को आगे बढ़ाना तथा भारत को वैश्विक एआई केंद्र के रूप में स्थापित करना शामिल है। हालाँकि, एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच एक महत्वपूर्ण मानवीय प्रश्न भी सामने आता है। आज एआई के कारण लिखना तेज और आसान हो गया है, लेकिन इससे वास्तविक रचनात्मकता का अर्थ कुछ हद तक धुंधला पड़ने लगा है। अब लोग केवल लेख की गुणवत्ता नहीं देखते, बल्कि यह भी सोचते हैं कि उसे इंसान ने लिखा है या मशीन ने। यह सच है कि एआई द्वारा तैयार सामग्री अक्सर संतुलित और प्रभावी होती है, लेकिन उसमें वह जीवंतता नहीं होती जो किसी इंसान के अनुभव, संघर्ष और भावनाओं से आती है। एआई प्रेम, पीड़ा या संवेदनाओं की भाषा तो लिख सकती है, पर उसने स्वयं कुछ महसूस नहीं किया होता। इसलिए जब ऐसी रचना किसी व्यक्ति के नाम से प्रस्तुत की जाती है, तो यह बौद्धिक नकल जैसी स्थिति भी पैदा कर सकती है। हमें यह समझना होगा कि वास्तविक सृजन केवल परिणाम नहीं, बल्कि सोचने, गलती करने, सीखने और संघर्ष करने की प्रक्रिया भी है, जिसे एआई छोटा कर देती है।

धान खरीदी 2025-26 में एमसीबी आगे, अब तक 4.01 लाख क्विंटल धान का सुरक्षित परिवहन

धान उठाव में एमसीबी जिला बना मिसाल, 45 प्रतिशत से अधिक धान का सुरक्षित परिवहन पूर्ण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। धान खरीदी वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में उपार्जित धान का उठाव कार्य तेज, सुव्यवस्थित और पूरी तरह किसान हितैषी तरीके से संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सशक्त नेतृत्व और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के परिणामस्वरूप जिले में धान उठाव की प्रक्रिया निरंतर सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है, जिससे उपार्जन केंद्रों से धान का सुरक्षित और समयबद्ध परिवहन सुनिश्चित हो रहा है जिले में अब तक कुल 8,79,848.60 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है, जिसमें से 4,00,910.00 क्विंटल धान का

सफलतापूर्वक उठाव हो चुका है यह कुल उपार्जित धान का लगभग 45.57 प्रतिशत है। शेष 4,78,938.60 क्विंटल धान उपार्जन केंद्रों में सुरक्षित रूप से संग्रहित है जिसे उठाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा चरणबद्ध और प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर ली गई है 30,960 क्विंटल धान का उठाव किया जा चुका है कई केंद्रों पर उठाव शून्य रहने के बावजूद वहां भी आगामी दिनों में कार्य तेज करने की तैयारी की जा चुकी है मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में धान उठाव को केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसानों के विश्वास और उनकी मेहनत के सम्मान से जुड़ा दायित्व माना जा रहा है।

उपार्जन केंद्रवार उठाव की स्थिति पर नजर डालें तो कछौड़ से 10,940 क्विंटल, केल्हारी से 37,410 क्विंटल, कटकोना से 1,790 क्विंटल, कोड़ा से 16,970 क्विंटल, कौड़ीमार से 35,260 क्विंटल, खड़गवां से 20,930 क्विंटल, बरदर से 29,890 क्विंटल, रतनपुर से 19,650 क्विंटल, सिंगहत से 15,190 क्विंटल, कुंवारपुर से 14,420 क्विंटल, घुटरा से 23,330 क्विंटल, कठौतिया से 22,400 क्विंटल, चैनपुर से 30,860 क्विंटल, नागपुर से 24,040 क्विंटल, बंजी से 17,740 क्विंटल, जनकपुर से 11,410 क्विंटल, बहरासी से 6,240 क्विंटल, डोडकी से 18,960 क्विंटल, माड़ीसरई से।

हाईकोर्ट ने ट्रेकिंग और अनुशासनात्मक, शिक्षा-गुणवत्ता कार्रवाई पर लगाई रोक

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। जस्टिस एनके चंद्रवंशी के इस आदेश के बाद याचिकाकर्ता शिक्षक कमलेश सिंह बिसेन को ऐप इंस्टॉल करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकेगा साथ ही याचिकाकर्ता के खिलाफ किसी भी प्रकार की अनुशासनात्मक कार्रवाई पर भी रोक रहेगी फिलहाल हाईकोर्ट का यह आदेश कोर्ट ने सिर्फ याचिकाकर्ता शिक्षक के संदर्भ में ही जारी किया गया है, इसका लाभ अन्य शिक्षकों को भी मिलेगा या नहीं, ये अभी साफ नहीं है दरअसल, शिक्षक कमलेश सिंह बिसेन ने ड्रूस्य ऐप की अनिवार्यता को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है जिसमें बताया कि, सरकार किसी भी थर्ड पार्टी ऐप को शिक्षकों पर जबरन लागू नहीं कर सकती इसे शिक्षकों की निजता का उल्लंघन बताते हुए कहा कि, शिक्षकों के व्यक्तिगत मोबाइल का इस्तेमाल शासकीय कार्यों के लिए बाध्यकारी रूप से नहीं कराया जा सकता सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता की तरफ से प्रस्तुत तर्कों को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विस्तृत जवाब पेश करने कहा है मामले में याचिकाकर्ता कमलेश सिंह बिसेन ने खुद अदालत में अपना पक्ष रखा उन्होंने बताया कि, याचिका में दो प्रमुख मुद्दों को उठाया गया है पहला, शिक्षकों की निजता का प्रश्न और दूसरा निजी संसाधनों के अनिवार्य उपयोग का विषय उनके अनुसार, यह केवल व्यक्तिगत मामला नहीं, बल्कि व्यापक स्तर पर सरकारी कर्मचारियों के अधिकारों से जुड़ा संवेदनशील विषय है विद्या समीक्षा केंद्र 15 लाख से अधिक स्कूलों, 96 लाख शिक्षकों और 26 करोड़ छात्रों के डेटा का उपयोग कर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा विश्लेषण के माध्यम से शिक्षा गुणवत्ता की रीयल-टाइम निगरानी करने वाला एक अभिनव केंद्र है।

जल संरक्षण से आत्मनिर्भर किसान की सफलता बनी गांवों के लिए प्रेरणा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण विकास और जल संरक्षण की दिशा में ग्राम पंचायत चिड़ौला से एक सशक्त और प्रेरणादायी सफलता की कहानी सामने आई है यहां शक्तिगत कूप निर्माण कार्य जयबहादुर सिंह पिता रामखेलवान सिंह के लिए स्वीकृत किया गया जिसके लिए शासन द्वारा 1.80 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराकर खेती-किसानी को सुदृढ़ बनाना तथा जल संरक्षण को बढ़ावा देना रहा कूप निर्माण से पूर्व संबंधित हितग्राही सहित आसपास के किसान सिंचाई के लिए पूरी तरह वर्षा पर निर्भर थे जिससे खेती अनिश्चित बनी रहती थी और उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था लेकिन शक्तिगत कूप के निर्माण के बाद खेतों तक नियमित रूप से पानी पहुंचने लगा है जिससे फसलों की समय पर सिंचाई संभव हुई इसका सीधा लाभ कृषि उत्पादन में वृद्धि के रूप में सामने आया है वहीं किसानों की आय में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है अब किसान समय पर बुवाई कर पा रहे हैं और खेती अधिक लाभकारी एवं सुरक्षित बन गई है यह कूप केवल एक परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बन गया है जल उपलब्धता सुनिश्चित होने से क्षेत्र में दोहरी फसल लेने की संभावनाएं बढ़ी हैं खेती की लागत में कमी आई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है साथ ही भूजल स्तर के संरक्षण और जल के समुचित उपयोग को भी बढ़ावा मिला है, जो दीर्घकालीन विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है ग्रामीणों ने शासन की इस जनहितकारी पहल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की योजनाएं गांवों की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने की क्षमता रखती हैं 1.80 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुआ यह शक्तिगत कूप निर्माण कार्य ग्राम पंचायत चिड़ौला में जल संरक्षण की दिशा में एक मजबूत कदम होने के साथ-साथ किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सफल, प्रेरक और अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है।

देहात थाने में भिड़ीं पत्नी और प्रेमिका, महिला की शिकायत पर मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के देहात थाना क्षेत्र में दो महिलाओं के बीच हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। वीडियो में मारपीट करती दिख रही महिलाएं नंदू राठौर की पत्नी और उसकी कथित प्रेमिका बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार, यह घटना 16 फरवरी की दोपहर की बताई जा रही है। आरती प्रजापति ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है अपनी प्राथमिकी में आरती ने बताया कि 16 फरवरी की सुबह वह गोपाल आटा चक्की पर खड़ी थी, तभी नंदू राठौर ने उसके साथ मारपीट की आरती की शिकायत पर पुलिस ने नंदू राठौर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है वहीं, नंदू राठौर का कहना है कि आरती प्रजापति उसे ब्लैकमेल करने का प्रयास कर रही है नंदू के अनुसार, आरती पहले भी उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा चुकी है नंदू का आरोप है कि 16 फरवरी को आरती ने उसके घर के बाहर खड़ी कार में तोड़फोड़ की और बाद में थाने में शिकायत दर्ज कराने के साथ-साथ उसकी पत्नी के साथ भी मारपीट की दूसरी ओर, आरती प्रजापति का आरोप है कि नंदू राठौर ने उसे बहला-फुसलाकर अपने प्रेम जाल में फंसाया और पत्नी की तरह अपने साथ रखा इस दौरान उसने कई बार आरती से पैसे लिए जिनसे एक कार खरीदी गई अब वह न तो उसे अपने साथ रख रहा है।

भूमि अधिग्रहण को लेकर ग्रामसभा आयोजन, जनसुनवाई में दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने की अपील

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं सक्षम प्राधिकारी भू-अर्जन, मनेंद्रगढ़ द्वारा ग्राम मनेंद्रगढ़ (चैनपुर) से चिरमिरी (साजा पहाड़) तक प्रस्तावित सड़क निर्माण, चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य के संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है प्रस्तावित मार्ग की कुल लंबाई 17.00 किलोमीटर है जबकि इसकी वास्तविक लंबाई 17.40 किलोमीटर बताई गई है। इस परियोजना में सड़क निर्माण के साथ-साथ आवश्यकतानुसार पुल-पुलियों का निर्माण भी किया जाना प्रस्तावित है प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उक्त सड़क परियोजना के लिए कुल तीन ग्राम-मेंड्राडोल, परसगढ़ी एवं चैनपुर-की भूमि अधिग्रहित की जानी है भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 4 के तहत सामाजिक समाघात निर्धारण दल का गठन कर दिया गया है अधिग्रहण की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सहभागितापूर्ण बनाने के उद्देश्य से संबंधित ग्रामों में ग्रामसभा के माध्यम से जनसुनवाई आयोजित की जाएगी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि जनसुनवाई हेतु तिथियां एवं समय निर्धारित कर दिए गए हैं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्राम मेंड्राडोल में 20 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाएगी इस ग्राम में कुल 14 खसरों की भूमि परियोजना से प्रभावित है। इसी दिन ग्राम परसगढ़ी में दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा, जहां 7 खसरों की भूमि प्रस्तावित अधिग्रहण में शामिल है इसके अतिरिक्त 21 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे से ग्राम चैनपुर में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी, जिसमें 23 खसरों की भूमि प्रभावित बताई गई है इस प्रकार कुल 44 खसरों की भूमि इस सड़क परियोजना के अंतर्गत प्रभावित होगी प्रशासन ने संबंधित ग्रामों के सभी भूमि स्वामियों, सह-स्वामियों एवं कृषकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अनिवार्य रूप से जनसुनवाई में उपस्थित हों साथ ही अपने-अपने भूमि संबंधी सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे खसरा, बी-1, ऋण पुस्तिका, विक्रय पत्र, नामांतरण, डायवर्सन से संबंधित अभिलेख, न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की जानकारी तथा अन्य प्रासंगिक दस्तावेज अपने साथ लेकर आएं ताकि अधिग्रहण की प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई भूमि स्वामी सर्वेक्षण अथवा जनसुनवाई के समय अनुपस्थित रहता है या आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराता है तो भविष्य में किसी भी प्रकार के वाद-विवाद की स्थिति में उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी।

नल से जल ने बदली तस्वीर, चौघड़ा में जिन्दगी बनी बदलाव की मिसाल

कुएँ की दूरी खत्म घर में आया जीवन, चौघड़ा गांव में जल क्रांति की कहानी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण जीवन में बदलाव की एक प्रेरक और सशक्त कहानी ग्राम पंचायत चौघड़ा के लोहारपारा से सामने आई है विकासखंड मनेन्द्रगढ़, जिला की निवासी दीपा के लिए स्वच्छ पेयजल कभी एक सपना हुआ करता था जिसे पूरा करने के लिए रोज़ाना लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी घर से दूर स्थित कुएँ से पानी लाने में उनका काफी समय और मेहनत खर्च हो जाता था जिससे दैनिक जीवन के अन्य कार्य प्रभावित होते थे हर घर नल से जल योजना के लागू होने के बाद दीपा और उनके परिवार का जीवन पूरी तरह बदल गया है अब उनके घर पर ही शुद्ध और

सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है पानी के लिए भटकने की मजबूरी खत्म हो गई है और समय की बचत होने से दीपा अब परिवार बच्चों और अन्य घरेलू कार्यों पर बेहतर ध्यान दे पा रही है सबसे बड़ा बदलाव स्वास्थ्य के क्षेत्र में देखने को मिला है, जहां स्वच्छ पानी के कारण परिवार की सेहत में स्पष्ट सुधार हुआ है दीपा बताती हैं कि नल से जल मिलने के बाद जीवन में सुविधा, सम्मान और सुरक्षा का एहसास बढ़ा है उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना केवल पानी नहीं, बल्कि बेहतर जीवन की गारंटी लेकर आई है उनके शब्दों में यह पहल हमारे जीवन को ही नहीं, बल्कि पूरे गांव के भविष्य को बदल रही है जल जीवन मिशन की यह पहल आज ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सुधार का सशक्त उदाहरण बन चुकी है। चौघड़ा गांव की दीपा की कहानी यह साबित करती है कि जब योजनाएं ज़मीन पर उतरती हैं, तो वे सिर्फ नल से पानी नहीं, बल्कि लोगों की ज़िंदगी में खुशहाली और आत्मसम्मान भी पहुंचाती हैं।

डांस करते-करते आया हार्ट अटैक बड़वानी में मेहंदी की रस्म में दूल्हे के मामा की मौत

मीडिया ऑडीटर, बड़वानी (निप्र)। घनश्याम को भांजे की मेहंदी की रस्म के दौरान हार्ट अटैक आ गया वे जमीन पर गिरे पड़े घनश्याम को भांजे की मेहंदी की रस्म के दौरान हार्ट अटैक आ गया वे जमीन पर गिरे पड़े खरगोन में मेहंदी की रस्म के दौरान दूल्हे के मामा को हार्ट अटैक आ गया वे नाचते-नाचते जमीन पर गिर पड़े परिजन ने इसे उनका डांस स्टेप ही समझा कुछ देर तक जब वे नहीं उठे तो रिश्तेदार उनकी तरफ बढ़े उन्हें निढाल देखकर अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टर ने उनकी मौत की पुष्टि कर दी मामला खरगोन के वझरा गांव का है बड़वानी में पिपलुद गांव के रहने वाले घनश्याम यादव (40) अपने भांजे की शादी में वझरा आए थे मंगलवार रात को मेहंदी की रस्म थी इस दौरान घनश्याम अपनी पत्नी के साथ नाच रहे थे परिवार के अन्य सदस्य भी जश्न में शामिल थे घनश्याम यादव पेशे से किसान थे करीब आठ एकड़ जमीन है उनके साथ उनकी पत्नी और इकलौता बेटा भोला यादव भी मौजूद थे। भोला 8वीं क्लास में पढ़ता है वे भांजे अंकित और भांजी रजनी की शादियों में भात लेकर मंगलवार को ही वझरा पहुंचे थे शाम को मेहंदी के साथ ही संगीत भी रखा गया था।

पोहरी के तालाब में डूबा युवक, आधा तालाब पार करने के बाद डूब गया; तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पोहरी कस्बे में बुधवार दोपहर एक युवक तालाब में डूब गया। यह घटना शिवपुरी-श्योपुर हाईवे किनारे बने एक नवनिर्मित तालाब में हुई। डूबे हुए युवक की पहचान रंजीत धानुक (29) पुत्र स्वर्गीय ब्रजमोहन धानुक, निवासी किला पोहरी के रूप में हुई है। तीन घंटे की तलाश के बाद भी अभी तक कोई पता नहीं चला है जानकारी के अनुसार, रंजीत अपने पड़ोस में रहने वाले बच्चे कान्हा के साथ तालाब पर गया था। बताया जा रहा है कि वह नहाने के लिए तालाब में उतरा और आधा तालाब पार कर चुका था तभी अचानक गहरे पानी में डूब गया मौके पर मौजूद बच्चे कान्हा ने रंजीत को डूबते हुए देखा और तुरंत उसके परिजनों को इसकी सूचना दी ूचना मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे बाद में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीईआरएफ) की टीम को बुलाया गया। एसडीईआरएफ की टीम ने करीब तीन घंटे तक तालाब में लगातार तलाशी अभियान चलाया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक रंजीत का कोई सुराग नहीं मिल सका था एसडीईआरएफ का बचाव अभियान जारी है।

2 दुकानों में चोरी, हजारों की नगदी और सामान ले गए चोर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। देहात थाना क्षेत्र में झांसी रोड पर चोरों ने गुरुवार रात दो दुकानों को निशाना बनाया चोर हजारों रुपए की नगदी और सामान चुराकर ले गए। घटना की सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है झांसी रोड स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर के पास संचालित नवीन डेयरी के ताले तोड़े गए चोरों ने गल्ले में रखे करीब 20 से 25 हजार रुपए नकद चुरा लिए इसके बाद चोरों ने होटल ठाठ बाठ के समीप स्थित उपाध्याय पान दुकान को निशाना बनाया 30 से 40 हजार रुपए की हुई चोरी दुकान संचालक जलज शर्मा ने बताया कि चोरों ने दुकान के ताले तोड़कर शटर उठाया और करीब 10 से 15 हजार रुपए नकद के साथ सिगरेट व अन्य सामान भी चुरा लिया दोनों दुकानों से कुल मिलाकर लगभग 30 से 40 हजार रुपए के नुकसान का अनुमान है देहात पुलिस ने मौके का मुआयना कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

चूड़ी-प्रथा के आरोप पर भी पत्नी को मिलेगा गुजारा भत्ता, हाईकोर्ट बोला-दूसरी शादी के आधार पर भरण-पोषण से वंचित करना गलत, अपील खारिज

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भरण-पोषण को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है कोर्ट ने कहा है कि केवल दूसरी शादी या चूड़ी प्रथा से विवाह के आरोप लगने भर से पत्नी को भरण-पोषण (गुजारा भत्ता) देने से इनकार नहीं किया जा सकता हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक यह आरोप ठोस सबूतों से साबित नहीं हो जाता, तब तक पत्नी का भरण-पोषण का अधिकार खत्म नहीं किया जा सकता इस मामले में कोर्ट ने पति की याचिका को खारिज

कर दिया और पत्नी को भरण-पोषण देने के आदेश को सही माना दूसरी शादी या चूड़ी प्रथा से विवाह के आरोप लगने भर से पत्नी को भरण-पोषण (गुजारा भत्ता) देने से इनकार नहीं किया जा सकता दूसरी

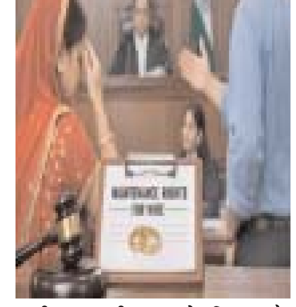

शादी या चूड़ी प्रथा से विवाह के आरोप लगने भर से पत्नी को भरण-पोषण (गुजारा भत्ता) देने से इनकार नहीं किया जा सकता अधिनियम के तहत भरण-पोषण दिलाने की मांग की जशपुर के फैमिली कोर्ट ने सभी साक्ष्यों, दस्तावेजों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद पति को आदेश दिया कि वो अपनी पत्नी को गुजारा भत्ता दे फैमिली कोर्ट के आदेश को अवैध नहीं ठहराया जा सकता कोर्ट ने पति की अपील को खारिज कर दी है फैमिली कोर्ट के आदेश को अवैध नहीं ठहराया जा सकता कोर्ट ने पति की अपील को खारिज कर दी है।

पुणे-दानापुर, एलटीटी-दानापुर स्पेशल ट्रेन

इटारसी-जबलपुर समेत 4 स्टेशनों पर रुकेंगी, 16-16 ट्रिप चलेंगी

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। होली के त्योहार पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने पुणे-दानापुर-पुणे और एलटीटी-दानापुर-एलटीटी के बीच विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें पश्चिम मध्य रेलवे के इटारसी, जबलपुर, कटनी और सतना स्टेशनों पर रुकेंगी। दोनों दिशाओं में कुल 16-16 ट्रिप संचालित की जाएंगी।

गाड़ी संख्या 01449 पुणे-दानापुर स्पेशल ट्रेन 21 फरवरी से 8 मार्च तक चलेगी। यह पुणे से दोपहर 3:30 बजे रवाना होगी। अगले दिन सुबह 5:40 बजे इटारसी, 9:05 बजे जबलपुर, 10:30 बजे कटनी और दोपहर 12:55 बजे सतना पहुंचेगी। यह ट्रेन तीसरे दिन तड़के 2:45 बजे दानापुर पहुंचेगी।

वापसी में, गाड़ी संख्या 01450 दानापुर-पुणे स्पेशल दानापुर से सुबह 5:00 बजे प्रस्थान करेगी। यह सतना, कटनी और जबलपुर होते हुए अगले दिन रात 1:20 बजे इटारसी पहुंचेगी और शाम 6:15 बजे पुणे पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 18 कोच होंगे।

इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 01143 लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी)-दानापुर स्पेशल ट्रेन 21 फरवरी से 9 मार्च तक संचालित होगी। यह एलटीटी से सुबह 10:30 बजे रवाना होकर रात 9:10 बजे इटारसी पहुंचेगी। अगले दिन यह जबलपुर, कटनी और सतना होते हुए शाम 6:45 बजे दानापुर पहुंचेगी।

वापसी यात्रा में, गाड़ी संख्या 01144 दानापुर-एलटीटी स्पेशल दानापुर से रात 9:30 बजे चलेगी। यह सतना, कटनी, जबलपुर और इटारसी होते हुए तीसरे दिन सुबह 7:45 बजे एलटीटी पहुंचेगी। इस ट्रेन में 22 कोच लगाए जाएंगे।

इन प्रमुख स्टेशनों के अलावा, दोनों विशेष ट्रेनें भुसावल, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा जैसे अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों पर भी ठहराव लेंगी।

झरेलवे अधिकारियों के अनुसार, होली के दौरान उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों में प्रतिवर्ष भारी भीड़ रहती है। इन विशेष ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा से पहले एनटीईएस या रेल मदद 139 पर समय-सारणी और सीट उपलब्धता की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

ट्रक में तिरपाल के नीचे छिपाई 5 लाख की शराब

मंदसौर पुलिस ने नीमथूर टोल चौराहे पर पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, गरोठ (निप्र)। मंदसौर की भैसोदा चौकी पुलिस ने नीमथूर टोल चौराहे पर एक आयशर ट्रक की घेराबंदी कर करीब 5 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की है। मामले में हरियाणा के दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

तिरपाल के नीचे स्पेशल केबिन में छिपाई: पुलिस को सूचना मिली थी कि हरियाणा की ओर से शराब की एक बड़ी खेप मध्यप्रदेश आने वाली है। नाकाबंदी के दौरान जब बंगाल पासिंग ट्रक (WB51C3743) को रोका गया, तो प्रथम दृष्टया वह सामान्य माल ढोता हुआ लगा।

हालांकि, जब पुलिस ने तिरपाल हटाकर बारीकी से तलाशी ली, तो अंदर विशेष तरीके से छिपाई गई 120 पेटियां बरामद हुईं। इसमें कुल 1036 लीटर अवैध शराब थी।

सोनीपत और हिसार के तस्कर गिरफ्तार : पुलिस ने मौके से ट्रक सवार दो आरोपी राजू (53) निवासी सोनीपत और पसविन्दर (30) निवासी हिसार को हिरासत में लिया है। पूछताछ में पता चला है कि ये दोनों आरोपी शराब को मध्य प्रदेश के विभिन्न इलाकों में खपाने की फिराक में थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस तस्करी के पीछे मध्य प्रदेश और हरियाणा के कौन से बड़े सिंडिकेट का हाथ है।

नीमच में युवक ने साड़ी का फंदा बना लगाई फांसी, कमरे में सोने पहुंची पत्नी

फांसी पर लटकी मिली पति की लाश

मीडिया ऑडीटर, नीमच (निप्र)। नीमच शहर के बघाना थाना क्षेत्र में एक 31 वर्षीय युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान पुष्कर मीणा (31) पुत्र रंगलाल के रूप में हुई है। वह मूल रूप से जिले की जीरन तहसील के ग्वाल देवियां गांव का निवासी था और वर्तमान में हवाई पट्टी नई आबादी में रह रहा था। जानकारी के अनुसार, युवक ने मंगलवार रात अपने घर में पत्नी की साड़ी से फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब उसकी पत्नी सोने के लिए कमरे में पहुंची, तो उसने पति को फंदे पर लटका देखा। उसने तत्काल परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद पुष्कर को जिला चिकित्सालय नीमच ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बघाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

रतलाम-मंदसौर फोरलेन पर कार ने स्कूटी को टक्कर मारी

दो की मौत, हादसे के बाद लोहे के एंगल में जा घुसी कार

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम-मंदसौर फोरलेन पर नामली थाना क्षेत्र के धौंसवास के पास बुधवार दोपहर तेज रफ्तार कार और स्कूटी की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल है। हादसा इतना जबरदस्त था कि स्कूटी फोरलेन के डिवाइडर के बीच जा गिरी और कार सड़क किनारे लगे लोहे के एंगल को तोड़ते हुए उसमें घुस गई। मृतकों की पहचान देवेंद्र पंवार (25) निवासी लक्कड़पीठा रतलाम और पूजा पति नरेंद्र बड़गुजर निवासी आनंद कॉलोनी रतलाम के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में भाई-बहन बताए जा रहे हैं।

घायल काजल पति अर्जुन (35) निवासी बरगड़ जावरा के पास की रहने वाली है, जिसकी हालत गंभीर है और उसे इंदौर रेफर करने की तैयारी की जा रही है। तीनों रेलवे की सफाई करने वाली निजी कंपनी के कर्मचारी हैं और रतलाम स्टेशन पर काम करते थे।

तेज रफ्तार कार ने पीछे से मारी टक्कर : प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार में इंदौर का एक परिवार सवार था, जो निंबाहेड़ा की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि कार काफी तेज रफ्तार में थी और उसने आगे चल रही स्कूटी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्कूटी उछलकर डिवाइडर के बीच जा गिरी। हादसे का सटीक कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है।

मुरैना में रास्ते से निकलते ही सीने में गोली मारी

मीडिया ऑडीटर, मुरैना (निप्र)। मुरैना में रास्ते के मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। बुधवार सुबह करीब 20 से 25 लोगों ने एक युवक को रास्ते से निकलने की चुनौती दी, जैसे ही वह आगे बढ़ा, उसे गोली मार दी। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद से आरोपी फरार हैं। घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे सराय छोला थाना क्षेत्र के रिठौरा गांव की है। मृतक महादेवा गुर्जर जब रास्ते से गुजर रहा था, तभी गांव के ही एदल गुर्जर, शिवराम गुर्जर और वकील गुर्जर सहित करीब एक दर्जन से ज्यादा हथियारबंद लोगों ने उसे घेर लिया। चश्मदीदों के मुताबिक, आरोपियों ने महादेवा को ललकारते हुए कहा, ÷अगर हिम्मत है तो यहां से निकल कर दिखा। जैसे ही महादेवा ने अपना रास्ता आगे बढ़ाया, आरोपियों ने उस पर फायरिंग कर दी।

खंडवा में कर्ज के तनाव में किसान ने खाया जहर

इलाज के दौरान हुई मौत

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में कर्ज से परेशान होकर एक किसान ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली हैं। जिला अस्पताल में पिछले 6 दिन से इलाज चल रहा था, इसी बीच किसान ने दम तोड़ दिया। मामले में परिजन का कहना है कि, मृतक के ऊपर भारी-भरकम कर्ज था। खेती-किसानी में हो रहे लगातार नुकसान के चलते वह कर्ज को पटा नहीं पा रहा था। मृतक किसान की पहचान बाबूलाल पिता कालू (50) निवासी ग्राम रामपुरी रैय्यत (पिपलोद थाना क्षेत्र) के रूप में हुई हैं। बेटा देवसिंह ने बताया कि 12 फरवरी गुरुवार को पिता ने घर से बाहर जाकर खेत के रास्ते पर जहर लिया था। हमें पता चला कि वो खेत के रास्ते पर पड़े हुए हैं। वहां से सीधे जिला अस्पताल लाए, यहां डॉक्टरों ने भर्ती कर लिया। उस वक्त हालत सीरियस थी लेकिन 3 दिन बाद वह खतरे से बाहर आ गए थे। अब एक-दो दिन में डिस्चार्ज होने वाले थे कि बुधवार को उन्होंने दम तोड़ दिया।

कर्ज था, बैंक ने ट्रैक्टर सीज कर लिया था : मृतक बाबूलाल के बेटे देवसिंह के अनुसार, बोरगांव बुजुर्ग स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से पिता ने 10 लाख रुपए का केसीसी लोन लिया था। जिसके ब्याज का भुगतान उनके द्वारा किया जाता रहा हैं। खाता रेगुलर होकर सिर्फ मूलधन का पैसा बाकी था। इसके अलावा उन्होंने बैंक से ही 2023 में ट्रैक्टर लोन लिया था।

इस लोन को लगातार भर रहे थे, लेकिन कुछ किश्तें ड्यू हो गई, फिलहाल 7 किश्तें बाकी थी और इसी बीच बैंक वालों ने ट्रैक्टर सीज कर लिया। इस तरह कर्ज को लेकर लगातार परेशान हो गए और शराब पीने लग गए। कहते थे कि कर्ज कैसे चुकाएंगे। हर साल फसल बिगड़ रही थी। इसी तनाव के चलते उन्होंने शराब के नशे में आत्महत्या का कदम उठा लिया।

देवास में सड़क पर तेल गिरने से फिसले वाहन

एक घायल, दो कारें क्षतिग्रस्त, ऑटो डिवाइडर से टकराया

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)। देवास कृषि उपज मंडी के समीप पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर तेल जैसा कोई पदार्थ फैल गया। इसके कारण वहां से गुजरने वाले कई वाहन फिसलने लगे, जिससे कुछ वाहन चालक हादसों का शिकार हो गए। इस दौरान एक लोडिंग ऑटो फिसलकर डिवाइडर से टकरा गया। वहीं, अचानक ब्रेक लगाने से दो कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। इन कारों की चपेट में आने से मेंढकी निवासी दोपहिया वाहन चालक जयदीप ठाकुर घायल हो गए, जिन्हें एम्बुलेंस की सहायता से उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

दमकल टीम ने सड़क को साफ किया : वहां से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों ने नगर निगम और यातायात पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद नगर निगम की दमकल टीम मौके पर पहुंची और सड़क पर फैले तेलनुमा पदार्थ को साफ किया। यातायात पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और फिसलन वाले स्थान पर कुछ पत्थर रखकर लोगों को सतर्क किया। जानकारी के अनुसार, सड़क पर फिसलन के कारण वाहनों के ब्रेक नहीं लग पा रहे थे, जिससे ये हादसे हुए।

सागर में 30फीट गहरे कुएं में गिरा हिरण का बच्चा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में जैसीनगर क्षेत्र के ग्राम देवलचौरी-सेमराघाट रोड पर स्थित एक कुएं में हिरण का शावक गिर गया। कुएं से अजीबोगरीब आवाज सुनकर आसपास खेतों में मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने कुएं में देखा तो हिरण का बच्चा था। ग्रामीणों ने तत्काल डायल-112 को सूचना दी। कंट्रोल रूम से जानकारी मिलते ही डायल-112 मौके पर पहुंची। जहां देखा तो करीब 30 फीट गहरे कुएं में हिरण का बच्चा था। वह जीवित अवस्था में था और बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहा था।

रतलाम में टहल रही महिला के गले से झपटा मंगलसूत्र

बिना नंबर की बाइक से आए थे दो बदमाश, एक संदिग्ध को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत गंगासागर कॉलोनी में मंगलवार रात पति के साथ पैदल टहल रही एक महिला से बाइक सवार बदमाशों ने मंगलसूत्र झपटने की कोशिश की। हालांकि मंगलसूत्र टूटकर महिला के कपड़ों पर गिर गया, जिससे बड़ी वारदात टल गई। पीड़िता सोनाली पति रितेश शर्मा, निवासी एमआईजी 40 गंगासागर कॉलोनी ने रात में थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

शिव मंदिर के पास दिया वारदात को अंजाम : महिला ने बताया कि मंगलवार रात करीब 8:45 बजे वह अपने पति के साथ कॉलोनी में घूम रही थीं। शिव मंदिर के सामने टर्न पर पीछे से एक बाइक पर सवार दो युवक आए। बाइक पर पीछे बैठे व्यक्ति ने उनके गले में पहना सोने का मंगलसूत्र झपट लिया। झपट्टा मारते ही मंगलसूत्र टूटकर उनके कपड़ों पर गिर गया। महिला के शोर मचाने पर उनके पति, जो थोड़े आगे चल रहे थे, तुरंत पीछे लौटे और दोनों बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की।

एक आरोपी भागा, दूसरा पकड़ा गया : घटना के दौरान बाइक पर पीछे बैठा युवक उतरकर पैदल भाग निकला, जबकि बाइक चालक को महिला के पति ने पकड़ लिया। शोर सुनकर आसपास के परिजन और अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि बदमाश बिना नंबर की बाइक से आए थे। रात करीब 10:30 बजे एफआईआर दर्ज होने के बाद महिला अपने परिजनों के साथ घर रवाना हो गई। महिला के अनुसार, मंगलसूत्र करीब डेढ़ तोले सोने का है।

संदिग्ध हिरासत में : थाना प्रभारी सत्येंद्र रघुवंशी ने बताया कि अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

गौहरगंज पुलिस ने डीजल चोर गिरोह को पकड़ा

बोलेरो वाहन सहित 6.20 लाख का सामान जब्त, चार आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के गौहरगंज पुलिस ने गश्त के दौरान एक डीजल चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का डीजल और घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन सहित कुल 6.20 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया है।

यह कार्रवाई आज 18 फरवरी को पवन चौहान नामक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के बाद की गई। पवन चौहान ने बताया था कि 17 फरवरी को दोपहर करीब 2 बजे उन्होंने अपना टैंकर वाहन पटेल ढाबा के पास एनएच-45 पर खड़ा किया था। भोजन करने के बाद वापस आने पर उन्होंने देखा कि टैंकर के डीजल टैंक का ढक्कन खुला था और 200 लीटर डीजल चोरी हो चुका था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देश पर, एसडीओपी शीला सुराणा ए एक टीम का गठन किया गया।

गठित टीम ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर आरोपियों को हिरासत में लिया।

पूछताछ के दौरान, उन्होंने डीजल चोरी की घटना को स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान परवेज मोहम्मद (40 वर्ष, निवासी हरा तालाब, गौहरगंज), जुनेद उर्फ मुज्जू खान (21 वर्ष, निवासी नयापुरा, सोडरपुर, गौहरगंज), अख्तर खान (37 वर्ष, निवासी भोजपुर रोड, गौहरगंज) और नफीस खान (37 वर्ष, निवासी तहसील के पास, गौहरगंज) के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का डीजल और बोलेरो वाहन बरामद किया, जिसकी कुल कीमत 6,20,000 रुपये आंकी गई है। सभी आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

नवविवाहिता की संदेहास्पद मौत, हत्या का आरोप

सागर में पिता बोले- बेटी सुसाइड नहीं कर सकती, जहर देकर फंदे पर टांगा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के सोनी परिवार की बेटी की दमोह स्थित ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मायके पक्ष ने इसे हत्या बताते हुए बुधवार को आईजी कार्यालय पहुंचकर डीआईजी शशीन्द्र चौहान को ज्ञापन सौंपा। परिजनों का आरोप है कि दहेज के लिए प्रताड़ित कर बेटी को जहर देकर मारा गया और फिर फंदे पर टांग दिया गया। उन्होंने पति, सास, ससुर और ननद पर कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि 4 दिसंबर 2024 को बेटी शिवानी सोनी (25) की शादी दमोह जिले के ग्राम आमचौपड़ा निवासी लोकेश सोनी के बेटे सौम्य सोनी के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों अच्छे से रह रहे थे। सौम्य कोरबा में नौकरी करता था, जहां वे अक्टूबर 2025 तक साथ रहे। इसके बाद सौम्य नौकरी छोड़कर वापस अपने घर आमचौपड़ा आ गया। आरोप है कि इसके बाद से ससुराल पक्ष के लोग सौम्य को रोजगार कराने के लिए रुपयों की मांग कर बेटी शिवानी को प्रताड़ित करने लगे। इसी बात को लेकर शिवानी परेशान रहती थी।

ससुर का फोन आया- बेटी की तबीयत खराब है : इसी बीच 13 फरवरी को शिवानी के ससुर का फोन आया और बताया कि बेटी की तबीयत खराब है, जल्द दमोह आ जाओ। उन्होंने कहा कि हम उसे अस्पताल ले आए हैं। जब मायके वाले अस्पताल पहुंचे, तो बेटी का शव मिला। वहां उन्हें बताया गया कि बेटी ने फांसी लगाकर सुसाइड किया है।

पिता बोले- शरीर पर चोटों के निशान मिले : पिता अशोक महोबिया सोनी ने आरोप लगाते हुए कहा, ÷मेरी बेटी सुसाइड नहीं कर सकती है। उसे जहर देकर मारा और फांसी पर टांगा गया है। पीएम के दौरान बेटी के शरीर पर चोटों के निशान भी मिले हैं।÷ उन्होंने मामले में आईजी से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इस दौरान बड़ी संख्या में सोनी समाज के लोग मौजूद रहे।

प्रेमानंद महाराज के केली कुंज आश्रम पहुंचे विराट और अनुष्का

मथुरा, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली अपनी वाइफ अनुष्का शर्मा के साथ मंगलवार को केली कुंज आश्रम में आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लेने पहुंचे। यह जोड़ा मंगलवार सुबह 5:30 बजे आश्रम पहुंचा, जहां करीब 1 घंटा बिताया। आश्रम के यू-ट्यूब चैनल भजन मार्ग पर जारी एक वीडियो में, विराट और अनुष्का आश्रम के हॉल में भीड़ के साथ चुपचाप बैठे नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने प्रेमानंद महाराज के उपदेश सुने और कीर्तन का आनंद लिया। ऐसा पहली बार नहीं है, जब अनुष्का और कोहली आध्यात्मिक मार्गदर्शन के लिए वृंदावन पहुंचे। यह जोड़ा पहले भी कई बार प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लेने पहुंचा है। पिछली बार उन्होंने आध्यात्मिक गुरु से जीवन के असली उद्देश्य और गुरु के बताए मार्ग पर चलने वाली भक्ति की यात्रा के बारे में बात की थी।

पिछले कुछ वर्षों में इस जोड़े का आध्यात्मिक झुकाव देखने को मिला है। साल 2023 में विरुष्का महाकालेश्वर मंदिर और नीम करोली बाबा आश्रम समेत अन्य धार्मिक स्थलों में पहुंचे थे।

फिलहाल टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप 2026 में व्यस्त है। कोहली टेस्ट के अलावा, टी20 फॉर्मेट से भी संन्यास ले चुके हैं। अब कोहली अगले महीने मैदान पर वापस लौटेंगे, जहां वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तरफ से खेलते नजर आएंगे। आईपीएल इतिहास में ऐसा पहली बार होगा, जब आरसीबी डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर टूर्नामेंट में उतरेगी। जब आरसीबी सीजन के पहले मैच में उतरेगी, तो सभी की नजरें विराट पर टिकी होंगी।

विराट कोहली जुलाई से भारतीय टीम के साथ नजर आएंगे। इस दौरान टीम इंग्लैंड में वनडे सीरीज खेलेगी, जिसकी शुरुआत 14 जुलाई से होगी। कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार फॉर्म में नजर आए थे। उन्होंने 3 मुकाबलों की सीरीज में 240 रन बनाए थे। फैंस उम्मीद करेंगे कि कोहली इंग्लैंड दौरे पर भी यही फॉर्म जारी रखें। कोहली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे पायदान पर हैं। कोहली ने अब तक 85 शतक लगाए हैं, जबकि लिस्ट में शीर्ष पर मौजूद सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर में 100 शतक लगाए थे।

सौरव गांगुली ने इमरान खान के लिए जताई चिंता, बोले- 'उन्हें सही इलाज और सम्मान मिलना चाहिए'

कोलकाता, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की खराब सेहत की खबरों पर चिंता जताते हुए पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि उन्हें उचित चिकित्सा सुविधा और सम्मान मिलना चाहिए। मीडिया से बातचीत में गांगुली ने कहा, ÷मैं उम्मीद करता हूं कि उनकी सेहत में सुधार हो और उन्हें सही इलाज मिले। उन्होंने पाकिस्तान को विश्व मंच पर पहचान दिलाई, पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में और फिर प्रधानमंत्री के तौर पर। इसलिए मुझे यकीन है कि उनका ध्यान रखा जाना चाहिए और उन्हें सम्मान मिलना चाहिए।÷ इससे पहले सुनील गावस्कर, कपिल देव समेत 14 पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों ने पाकिस्तान सरकार से इमरान खान के बेहतर इलाज और मानवीय व्यवहार की अपील की थी।

एक पन्ने के संयुक्त बयान में इन पूर्व कप्तानों ने 1992 विश्व कप विजेता कप्तान के लिए चिकित्सा, कानूनी और मानवीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान 2023 से जेल में हैं और उनकी सेहत को लेकर हाल में गंभीर चिंताएं सामने आई हैं, जिनमें उनकी दृष्टि कमजोर होने की खबरें भी शामिल हैं।

पूर्व कप्तानों ने अपने बयान में कहा कि इमरान खान को ÷योग्य विशेषज्ञों से तत्काल, पर्याप्त और निरंतर चिकित्सा सुविधा÷ दी जानी चाहिए। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हिरासत की मानवीय और सम्मानजनक परिस्थितियां सुनिश्चित की जानी चाहिए, जिनमें परिवार से नियमित मुलाकात की अनुमति भी शामिल हो।

वो 6 मौके, जब टी20 वर्ल्ड कप के नॉकआउट से बाहर हुआ ऑस्ट्रेलिया

पल्लेकेले, एजेंसी। आयरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच मंगलवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 का अहम मुकाबला बारिश के चलते रद्द हो गया। इसी के साथ दोनों टीमों के बीच एक-एक अंक बंटा, जिसने ऑस्ट्रेलिया को सुपर-8 से बाहर का रास्ता दिखा दिया। ग्रुप-बी से ऑस्ट्रेलिया के बजाय जिम्बाब्वे ने अगले दौर के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ऐसा छठी बार है जब ऑस्ट्रेलिया टी20 वर्ल्ड कप के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका। आइए, जानते हैं कि कब-कब ऑस्ट्रेलिया इस तरह के उलटफेर का शिकार हुआ है। टी20 वर्ल्ड कप 2009: ऑस्ट्रेलियाई टीम इस विश्व कप में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलिया को पहले मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ 7 विकेट, जबकि अगले मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ 6 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

टी20 वर्ल्ड कप 2014: ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ग्रुप-2 में 4 मैच खेले, जिसमें सिर्फ एक ही जीत नसीब हुई। पाकिस्तान के हाथों 16 रन से मुकाबला गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध अगला मैच 6 विकेट से गंवाया। इसके बाद उसे भारत ने 73 रन से मात दी। भले ही अंतिम ग्रुप मैच में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया, लेकिन प्लेऑफ में जगह नहीं बना सका।

टी20 वर्ल्ड कप 2016: ग्रुप-2 में न्यूजीलैंड के हाथों 8 रन से मैच गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश और पाकिस्तान को क्रमशः 3 विकेट और 21 रन से हराया, लेकिन भारत ने 6 विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया को प्लेऑफ से बाहर कर दिया।

टी20 वर्ल्ड कप 2022: इस विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड (89 रन), श्रीलंका (7 विकेट), आयरलैंड (42 रन) और अफगानिस्तान (4 रन) के खिलाफ जीत दर्ज की, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला बारिश से धुल गया और ऑस्ट्रेलियाई टीम खराब नेट रन रेट के कारण प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी।

हर किसी को अंडरडॉग स्टोरी पसंद होती है, जिम्बाब्वे के सुपर 8 में पहुंचने से खुश कप्तान रजा

पल्लेकेले, एजेंसी। जिम्बाब्वे ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 में जगह बना ली है। कप्तान सिकंदर रजा ने कहा कि सुपर 8 के लिए क्वालीफाई करना उस बड़े मिशन का सिर्फ एक हिस्सा था जो टीम ने अपने लिए तय किया था। मंगलवार को पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ बारिश की वजह से मैच रद्द हो गया। दोनों टीमों के बीच एक-एक अंक बांटा गया, जिससे जिम्बाब्वे ग्रुप बी की प्वाइंट्स टेबल में 5 प्वाइंट्स पर पहुंच गया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया के अगले राउंड में पहुंचने का मौका खत्म हो गया। सिकंदर रजा ने इस कामयाबी पर कहा, ÷हमने सुपर 8 के लिए क्वालिफाई कर लिया है, लेकिन हमारा आखिरी लक्ष्य नहीं बदला है। जैसा कि मैंने कहा, यह बस एक लक्ष्य है, लेकिन हमारे पास हासिल करने के लिए और भी बहुत सारे लक्ष्य हैं और हर किसी को अंडरडॉग स्टोरी पसंद होती है, है ना? कप्तान ने क्वालिफिकेशन के दौरान जिम्बाब्वे के सफर को याद किया, जिसमें सब-रीजनल क्वालिफायर भी शामिल थे, जहां उनका सामना केन्या, रवांडा और तंजानिया जैसी टीमों से हुआ था। उन्होंने कहा, मैं आपको उस समय की याद दिलाना चाहता हूं जब हमने सब-रीजनल क्वालिफायर्स बी खेले थे और केन्या, रवांडा, तंजानिया जैसी टीमों के खिलाफ मुकाबला किया था। मुझे याद है, मैंने अपनी टीम के सामने खड़े होकर कहा था कि आज हम जिस स्थिति में हैं, या जिसे आप परेशानी कहें, उसके लिए सिर्फ हम खुद जिम्मेदार हैं। इसके लिए किसी और को दोष नहीं दिया जा सकता। सिर्फ हम ही इससे बाहर निकल सकते हैं। तो सवाल ये है कि हम इसके लिए क्या करने वाले हैं? इसके बाद हमने सब-रीजनल क्वालिफायर्स बी जीते, फिर मुख्य क्वालिफायर्स हुए और वो भी हमने अपने नाम किए। जिम्बाब्वे को सुपर 8 में एक मुश्किल ग्रुप में रखा गया है, क्योंकि उन्हें पिछले चैंपियन भारत, 2024 के रनर-अप साउथ अफ्रीका और दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज का सामना करना होगा और सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए प्वाइंट्स टेबल में टॉप-2 में रहना होगा।

डब्ल्यूपीजीटी 2026: लेग-4 के पहले राउंड में त्वेसा और रिद्धिमा ने संयुक्त बढ़त हासिल की

पुणे, एजेंसी। त्वेसा मलिक और रिद्धिमा दिलावरी ने विमेंस प्रो गोल्फ टूर 2026 के लेग-4 के पहले राउंड में शानदार शुरुआत करते हुए संयुक्त बढ़त हासिल की। पूना क्लब गोल्फ कोर्स में खेले गए पहले दिन के बाद दोनों ने 3-अंडर 68 का कार्ड किया। मार्की ग्रुप की तीसरी खिलाड़ी वाणी कपूर ने 69 का स्कोर बनाकर एक शॉट पीछे रहते हुए अकेले तीसरा स्थान लिया, जबकि एमेच्योर अनुराधा चौधरी (70) अंडर-पार राउंड खेलने वाली एकमात्र अन्य खिलाड़ी रहीं। वह चौथे स्थान पर रहीं। पिछले हफ्ते पुणे में प्ले-ऑफ जीतने वाली त्वेसा ने फ्रंट-नाइन पर एक बर्डी और एक बोगी के बाद फिनिशिंग स्ट्रेच में दम दिखाया, आखिरी चार होल में तीन बर्डी बनाकर 68 पर राउंड पूरा किया। रिद्धिमा ने फ्रंट-नाइन पर पांच बर्डी के साथ तेज शुरुआत की और 10वें होल पर छठी बर्डी से 6-अंडर तक पहुंचीं। हालांकि, 11वें होल पर एक शॉट गंवाया, 14वें होल पर सातवीं बर्डी जोड़ी, लेकिन 15वें होल पर डबल बोगी और अंतिम होल पर एक बोगी के कारण उन्हें भी 68 पर संतोष करना पड़ा।

एमेच्योर लावण्या गुप्ता ने 1-ओवर 72 का कार्ड बनाया और पांचवें स्थान पर रहीं, जबकि पांच खिलाड़ी, स्नेहा सिंह, दुर्गा निट्टूर, जैस्मीन शेखर, अनिवथा नरेंद्र और विधात्री उर्स सभी 2-ओवर 73 के साथ छठे स्थान पर रहीं। दूसरे टॉप स्टार्स में, अमनदीप द्राल (74) टी-11 और नेहा त्रिपाठी (75) टी-14 पर रहीं।

इस हफ्ते रिकॉर्ड 49 खिलाड़ी 17 लाख रुपये की इनामी राशि के लिए मुकाबला कर रहे हैं। टूर को हीरो मोटोकॉर्प का सपोर्ट इसे नए लेवल पर ले गया है। पिछले सप्ताह त्वेसा मलिक ने दो साल से भी अधिक समय से चले आ रहे अपने खिताबी सूखे को खत्म करते हुए शानदार वापसी की थी। उन्होंने अनविथा नरेंद्र के खिलाफ प्ले-ऑफ में जीत दर्ज कर विमेंस प्रो गोल्फ टूर के तीसरे लेग का खिताब अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट ऑक्सफोर्ड गोल्फ रिजॉर्ट में खेला गया था। त्वेसा की इससे पहले आखिरी जीत सितंबर 2023 में डीएलएफ गुरुग्राम में आई थी। अंतिम दिन एमेच्योर आराधना मणिकंदन (72) और अनुभवी वाणी कपूर (72) संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहीं। ये दोनों फाइनल राउंड में ईवन पार खेलने वाली इकलौती खिलाड़ी थीं, जबकि उस दिन कोई भी खिलाड़ी अंडर-पार स्कोर दर्ज नहीं कर सका।

मनु भाकर: 14 साल की उम्र में पिता से मांगी पिस्टल

पेरिस ओलंपिक में रचा था इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक मेडल जीतकर देश का नाम रोशन करने वालीं मनु भाकर ने अपनी सटीक निशानेबाजी से पूरी दुनिया में धाक जमाई है। पिस्टल शूटिंग में आत्मविश्वास और निरंतरता ने मनु को खास बनाया है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर कई पदक जीतकर उन्होंने कम उम्र में देश का नाम रोशन किया। 18 फरवरी 2002 को झज्जर (हरियाणा) में एक बेटी का जन्म हुआ। मर्चेंट नेवी में चीफ इंजीनियर पिता राम किशन भाकर और मां सुमेधा ने इस बच्ची का नाम झांसी की रानी के बचपन के नाम मनु पर रखा। माता-पिता चाहते थे कि बेटी रानी लक्ष्मीबाई की तरह निडर बने। मनु भाकर स्कूल के दिनों में टेनिस, बॉक्सिंग के साथ स्केटिंग करती थीं। उन्होंने मार्शल आर्ट थान टा में नेशनल लेवल पर मेडल भी जीता। जब मनु महज 14 साल की थीं, तो उन्होंने शूटिंग में अपना करियर बनाने का फैसला किया। उस समय रियो ओलंपिक 2016 खत्म ही हुआ था। मनु ने महज एक हफ्ते के अंदर पिता राम किशन से पिस्टल लाने को कहा, जिन्होंने बेटी की इस मांग को पूरा किया, क्योंकि पिता को मनु पर पूरा विश्वास था। मनु भाकर ने प्रैक्टिस जारी रखी, जिसका फल साल 2017 की नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में मिला, जहां उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में ओलंपियन हीना सिद्धू के विरुद्ध खेलते हुए 242.3 के स्कोर के साथ रिकॉर्ड बना दिया। मनु ने इसी साल एशियन जूनियर चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल पर भी निशाना साधा। मनु भाकर महज 16 साल की उम्र में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बनीं। उन्होंने मिक्स्ड डबल्स में ओम प्रकाश मिथेरवल के साथ गोल्ड जीता। साल 2017 में केरल में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में नौ स्वर्ण पदक जीतकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में उन्होंने नया रिकॉर्ड बनाते हुए विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड अपने नाम किया, जिसके बाद अपने दूसरे आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में एक और गोल्ड जीतने के साथ मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल पर निशाना साधा। टोक्यो ओलंपिक 2020 में मनु ने जगह बनाई, लेकिन 10 मीटर एयर पिस्टल, 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम और 25 मीटर पिस्टल में क्रमशः 12वें, 7वें और 15वें स्थान पर रहीं।

टी20 वर्ल्ड कप: स्कॉटलैंड को 7 विकेट से रौंदकर नेपाल ने टी20 वर्ल्ड कप में दर्ज की पहली जीत

मुंबई, एजेंसी। नेपाल ने मंगलवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ 7 विकेट से जीत के साथ अपने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अभियान का समापन किया। नेपाल और स्कॉटलैंड की टीमें इस मैच से पहले ही खिताबी दौड़ से बाहर थीं। ऐसे में यह सम्मान की लड़ाई थी, जिसे जीतकर नेपाल ने टी20 वर्ल्ड कप में जीत के सूखे को आखिरकार खत्म किया। वानखेड़े स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी स्कॉटलैंड की टीम ने 7 विकेट खोकर 170 रन बनाए। इस टीम को जॉर्ज मुन्से और माइकल जोन्स की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 10 ओवरों में 80 रन जुटाए। मुन्से 29 गेंदों में 4 चौकों के साथ 27 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद जोन्स ने ब्रैंडन मैकमुलेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 52 रन जुटाए। जोन्स 45 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 71 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मैकमुलेन ने 25 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, मार्क वाट ने 10 रन जोड़े। विपक्षी खेमे से सोमपाल कामी ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि नंदन यादव ने 2 विकेट निकाले। एक-एक विकेट रोहित पौडेल और कुशल भुर्तेल ने हासिल किया।

इसके जवाब में नेपाल ने 19.2 ओवरों में जीत हासिल की। कुशल ने आसिफ शेख के साथ 9.1 ओवरों में 74 रन की साझेदारी की। कुशल 35 गेंदों में 4 छक्कों और 1 चौके के साथ 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि आसिफ ने 27 गेंदों में 2 छक्कों के साथ 33 रन की पारी खेली। यह टीम 98 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो चुकी थी। यहां से गुलशन झा ने दीपेंद्र सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 36 गेंदों में 73 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को शानदार जीत दिलाई। दीपेंद्र 23 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 50 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि गुलशन ने 17 गेंदों में 24 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी टीम से तीनों विकेट माइकल लीस्क ने हासिल किए।

रणजी ट्रॉफी: जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास, मजबूत बंगाल को हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई

कल्याणी, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। सेमीफाइनल में बंगाल जैसी मजबूत टीम को 6 विकेट से हराकर जम्मू-कश्मीर ने पहली बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई है। बंगाल क्रिकेट अकादमी ग्राउंड, कल्याणी में खेले गए मुकाबले में जम्मू-कश्मीर को बंगाल के खिलाफ जीत के लिए 126 रन की जरूरत थी। जम्मू-कश्मीर ने 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। वंशराज शर्मा 43 और अब्दुल समद 30 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच 55 रन की नाबाद साझेदारी हुई। मैच पर नजर डालें तो जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। बंगाल की टीम ने सुदीप कुमार के 146, कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन के 49, शहबाज अहमद के 42 और सुमंता गुप्ता के 39 रन की बदौलत पहली पारी में 328 रन बनाए थे।

जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी ने 5, सुनील कुमार ने 3, जबकि युदवीर सिंह और आबिद मुश्ताक ने 1-1 विकेट लिए।

जम्मू-कश्मीर की पहली पारी 302 रन पर सिमटी थी। अब्दुल समद ने सर्वाधिक 82 रन बनाए थे। कप्तान पारस डोगरा ने 58, और आकिब नबी ने 42 रन बनाए थे। युदवीर सिंह ने भी 22 रन की पारी खेली थी।

बंगाल के लिए मोहम्मद शमी ने 8 और मुकेश कुमार ने 2 विकेट लिए थे।

पहली पारी में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 26 रन की महत्वपूर्ण बढ़त लेने वाली बंगाल की टीम दूसरी पारी में महज 99 रन पर सिमट गई।

जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी और सुनील कुमार ने 4-4 विकेट लिए, जबकि आबिद मुश्ताक ने 2 विकेट लिए।

जीत के लिए 126 रन के लक्ष्य को जम्मू-कश्मीर ने 6 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। मैच में 9 विकेट लेने के साथ 42 रन बनाने वाले जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

डभौरा नगर परिषद में फर्जी संविलियन पर बड़ा धमाका

राज्य शासन का सख्त फैसला, अवैध नियुक्तियां रद्द मीडिया ऑडीटर की खबरों से हिला सिस्टम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की नवगठित नगर परिषद डभौरा में लंबे समय से दबे पड़े फर्जी संविलियन के मामले पर आखिरकार राज्य शासन ने कड़ा प्रहार कर दिया है। शासन के स्पष्ट आदेश के बाद नियमों को ताक पर रखकर किए गए सभी संविलियन औपचारिक रूप से निरस्त कर दिए गए हैं। इस कार्रवाई से प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है और वर्षों से कागजी खेल के सहारे टिके लोग अब जवाबदेही के घेरे में आ गए हैं। इस पूरे मामले में सबसे अहम भूमिका मीडिया ऑडीटर की रही जिसने शुरुआत से ही फर्जी संविलियन के मुद्दे को प्राथमिकता से उठाया। लगातार प्रकाशित खबरों में संदिग्ध दस्तावेज नियमों की खुली अवहेलना और प्रशासनिक चुप्पी को उजागर किया गया। मीडिया ऑडीटर की रिपोर्टिंग के बाद ही यह मामला

स्थानीय स्तर से निकलकर नगरीय प्रशासन विभाग और फिर राज्य शासन तक गंभीरता से पहुंचा। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत डभौरा,अकौरिया, मगडौर कोटा, गेंदुरहा, पनवार और लटियार को मिलाकर नगर परिषद का गठन किया गया था। परिषद गठन के तुरंत बाद कुछ मानदेय कर्मियों और अन्य व्यक्तियों को पंचायतों में कार्यरत बताकर नगर परिषद में नियमित पदों पर संविलियन कर दिया गया। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने जब इस पर आपत्ति जताई तो शिकायतों का सिलसिला शुरू हुआ।

जांच में कूटरचना की पुष्टि-: जांच के दौरान यह तथ्य सामने आए कि नाम जोड़ने, सेवा अवधि बढ़ाकर दिखाने और पात्रता सिद्ध करने के लिए अभिलेखों में कूटरचना की गई। जांच रिपोर्ट ने साफ कर दिया कि यह पूरी प्रक्रिया मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1961 के प्रावधानों के खिलाफ थी। अधिनियम की धारा 7(छ) और 323 शासन को ऐसे आदेशों को निरस्त करने की शक्ति देती है जो विधि विरुद्ध या लोकहित के प्रतिकूल हों।

संकल्प क्रमांक 12 बना विवाद की जड़-: सूत्रों के मुताबिक 08 फरवरी 2021 को निर्वाचन से पूर्व तत्कालीन प्रशासक के कार्यकाल में संकल्प क्रमांक 12 पारित किया गया जिसके आधार पर फर्जी संविलियन को वैध बनाने की कोशिश की गई। बाद में सुनवाई के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि संकल्प निरस्त किए जाने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है जिससे संविलियन की प्रक्रिया की संदिग्धता पूरी तरह उजागर हो गई। वहीं तत्कालीन प्रशासक की भूमिका भी गंभीर सवालों के घेरे में है। असहमति के दावों के बावजूद कार्यवाही पुस्तिका में उनके हस्ताक्षर दर्ज पाए गए। प्रशासनिक जानकारों का कहना है कि यह लापरवाही नहीं बल्कि जिम्मेदारी से बचने का प्रयास भी हो सकता है।

हाईकोर्ट तक पहुंचा मामला यह पूरा मामला -: मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय तक पहुंचा जहां विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई के बाद शासन को कानून के तहत कार्रवाई करने की छूट दी गई। सभी पक्षों को सुनवाई का अवसर देने के बाद अब अंतिम आदेश जारी कर दिया गया है।

अब आगे क्या होगा-: राज्य शासन के फैसले के बाद अवैध रूप से संविलियन पाए गए कर्मचारियों की नियुक्तियां स्वत: अमान्य हो गई हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। डभौरा नगर परिषद का यह मामला एक कड़ा संदेश देता है कि फर्जीवाड़ा नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक मिलीभगत ज्यादा दिन नहीं चलती।

रीवा महापौर ने राज्य बजट को बताया हास्यपद, कहा- जनता के साथ छलावा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा नगर निगम के महापौर ने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट को हास्यपद करार देते हुए इसे आम जनता के साथ छलावा बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने लगभग 4.85 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया है, जबकि राज्य पर 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज पहले से ही है। ऐसे में आने वाले समय में प्रदेश की आय का बड़ा हिस्सा कर्ज के ब्याज भुगतान में ही खर्च होने की आशंका है। महापौर ने कहा कि सरकार लाड़ली बहना योजना के नाम पर 23,882 करोड़ रुपये देने का दावा कर रही है, लेकिन मौजूदा महंगाई के दौर में यह राशि पर्याप्त नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह योजना केवल प्रचार तक सीमित है और इससे महिलाओं की वास्तविक आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए महापौर ने कहा कि किसान उन्नत योजना के लिए मात्र 5,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो प्रदेश के लाखों किसानों की जरूरतों के मुकाबले बेहद कम है। उन्होंने सरकार को याद दिलाया कि धान का समर्थन मूल्य 3,300 रुपये प्रति क्विंटल करने का वादा किया गया था, जिसे अब तक पूरा नहीं किया गया है। शिक्षा क्षेत्र को लेकर भी उन्होंने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि बजट में न तो नए शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की घोषणा की गई है और न ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुधार के लिए कोई ठोस पहल दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है, लेकिन बजट में इन गंभीर समस्याओं के समाधान के लिए कोई प्रभावी योजना नहीं है। महापौर ने आरोप लगाया कि यह बजट केवल आंकड़ों का खेल है, जिसका आम जनता, किसान, युवा और महिलाओं को कोई वास्तविक लाभ नहीं मिलने वाला।

एड शिव सिंह किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय महासचिव सह राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त

राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसान संघर्ष समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा एड शिव सिंह को संगठन का राष्ट्रीय महासचिव सह राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किए जाने पर समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनीलम, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो. सुशीला ताई मोराळे, राष्ट्रीय सचिव शशिभूषण चौहान, राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी सुहैल कादरी, प्रदेश अध्यक्ष एड. आराधना भार्गव, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ए.के. खान, राधेश्याम काकोड़िया, प्रदेश महामंत्री टी.आर. आठ्या, रामस्वरूप मंत्री, जबलपुर संभाग संयोजक डॉ. राजकुमार सनोडिया, सीधी-सिंगरौली संभाग संयोजक निसार आलम अंसारी, ग्वालियर-चंबल संभाग

संयोजक एड. विश्वजीत रतौनिया, रीवा संभाग संयोजक एड. पुष्पेंद्र सिंह, सतना संयोजक तेजभान सिंह, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विजय बिजौलिया, प्रदेश सचिव दिनेश सिंह कुशवाह, राजेश बैरागी, लीलाधर चौधरी, राम सेन, सज्जे चंद्रवंशी, संत कुमार पटेल, भोर सिंह भटेरा, शत्रुघन यादव, भागवत परिहार, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा ठाकरे, सतीश जैन, रविंद्र धारवे, बालकृष्ण मर्सकोले, विकास ठाकुर सहित प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी। इसके साथ ही बैतूल जिला अध्यक्ष जगदीश दोड़के, रीवा जिला अध्यक्ष फौजी यदुवंश प्रताप सिंह, मऊगंज जिला अध्यक्ष अजय कुमार पटेल, सतना जिला अध्यक्ष नंदलाल सिंह, सिंगरौली जिला अध्यक्ष एड अशोक सिंह पैगाम, महिला किसान संघर्ष समिति जिला अध्यक्ष सोनमती खैरवाल, इंदौर जिला अध्यक्ष मनोज हार्डिया, सिवनी जिला अध्यक्ष पवन सनोडिया, हरदा जिला अध्यक्ष बालकृष्णा मर्सकोले, झाबुआ जिला अध्यक्ष कलसिंह मचार, ग्वालियर जिला अध्यक्ष रमेश परिहार,मुरैना जिला अध्यक्ष महेश दत्त मिश्रा, सागर जिला अध्यक्ष आलोक तिवारी सहित अनेक जिला पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व एड शिव सिंह किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में कार्य कर चुके हैं तथा रीवा संभाग में संगठन के विस्तार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनीलम ने कहा कि 'एड शिव सिंह की राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर नियुक्ति से संगठन को वैचारिक मजबूती मिलेगी और किसानों-मजदूरों के मुद्दे राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से उठाए जा सकेंगे। इससे किसान संघर्ष समिति और अधिक सशक्त एवं सुदृढ़ होगी।

हेमंत त्रिपाठी को दोहरी जिम्मेदारी: सहायक परियोजना अधिकारी के साथ राजस्व निरीक्षक का भी निर्वहन करेंगे दायित्व

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त, पालिका भवन भोपाल द्वारा जारी आदेश के बाद शहरी विकास अभिकरण रीवा में पदस्थ सहायक परियोजना अधिकारी हेमंत त्रिपाठी को नई प्रशासनिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश क्रमांक 3992 दिनांक 17 फरवरी 2026 के तहत उन्हें सहायक परियोजना अधिकारी के दायित्वों के साथ-साथ नगर पालिका निगम रीवा में अपने मूल पद राजस्व निरीक्षक की जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि हेमंत त्रिपाठी का मूल विभाग नगर पालिका निगम रीवा है तथा उनका मूल पद राजस्व निरीक्षक का है। उनकी मूल प्रतिस्थापना शहरी विकास अभिकरण में की गई थी। इसके अतिरिक्त वे नगर परिषद नईगढ़ी और मंनगवा में प्रभारी सीएमओ के रूप में

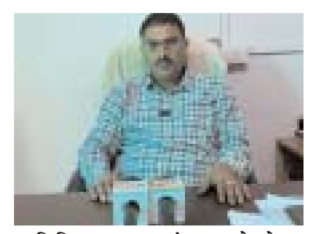

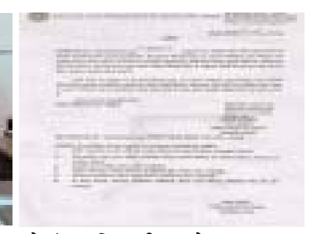

अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे। पूर्व में विधायक की शिकायत के बाद आयुक्त कार्यालय द्वारा 17 नवंबर 2025 को उन्हें प्रभारी सीएमओ के पद से मुक्त करते हुए मूल विभाग में वापस किए जाने के निर्देश जारी किए गए थे। हालांकि, मामले में उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त होने के बाद स्थिति जटिल बनी रही। इसी बीच नगर परिषद मंनगवा में उनके कार्यकाल को लेकर विवाद भी सामने आए, जहां कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जाने की चर्चा रही। अब आयुक्त कार्यालय के ताजा आदेश के बाद प्रशासनिक हलकों में फिर हलचल तेज हो गई है। नए आदेश के अनुसार हेमंत त्रिपाठी को सहायक परियोजना अधिकारी के साथ-साथ राजस्व निरीक्षक के दायित्वों का निर्वहन करना होगा। ऐसे में यह प्रश्न उठ रहा है कि वे एक साथ कई जिम्मेदारियों का किस प्रकार निर्वहन करेंगे। प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना यह होगा कि हेमंत त्रिपाठी आयुक्त के आदेश का पालन करते हुए नगर पालिका निगम रीवा में राजस्व निरीक्षक के रूप में सेवाएं देंगे या इस आदेश को भी न्यायालय में चुनौती देंगे। आने वाले दिनों में स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है।

अचानक अस्पताल पहुंचीं कलेक्टर, व्यवस्थाओं को लेकर लगाई फटकार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बैकुंठपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कलेक्टर प्रतिभा पाल अचानक निरीक्षण के लिए पहुंच गईं। अस्पताल में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के बजाय कई जिम्मेदार कर्मचारी ही नदारद मिले। कलेक्टर ने मौके पर ही अनुपस्थित डॉक्टरों और स्टाफ पर कार्रवाई के निर्देश दिए और उपस्थिति पंजी जप्त करा ली। निरीक्षण के दौरान डॉ. ओमप्रकाश पिडिहा, श्यामशरण यादव, सुजीत जायसवाल और अरुण तिवारी ड्यूटी से गायब पाए गए। अस्पताल में दवाइयों के स्टॉक और रजिस्टर का मिलान भी गड़बड़ मिला। दवाओं का रिकॉर्ड मेल न खाने पर स्टाफ रजिस्टर जब्त कर जांच के निर्देश दिए गए।

मां कर्मा जयंती महोत्सव पर 2 दिवसीय भव्य आयोजन 14-15 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी की जयंती के पावन अवसर पर इस वर्ष रीवा में दो दिवसीय भव्य आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में साहू युवा संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की जानकारी देते हुए संगठन के जिला अध्यक्ष बंसीलाल साहू ने बताया कि सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि मां कर्मा जयंती महोत्सव को इस वर्ष अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। आयोजन का शुभारंभ 14 मार्च को विशाल शोभायात्रा के साथ होगा। यह शोभायात्रा बैजू धर्मशाला से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरेगी। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, ढोल-धमाल, डीजे, मातृशक्ति,

वरिष्ठजन, युवा साथी एवं बच्चे बड़ी संख्या में शामिल होंगे। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक समाजबंधुओं से सहभागिता की अपील की है। दूसरे दिन 15 मार्च को दोपहर 12:00 बजे से कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम, रीवा में मां कर्मा जयंती महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर महाभोग का प्रसाद चढ़ाया जाएगा तथा श्रद्धालुओं के बीच निरंतर वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा मां कर्मा के भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठेगा।

आयोजन की गरिमा बढ़ाने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों से विशिष्ट अतिथियों के आगमन की संभावना है। बैठक में पदाधिकारियों ने समाज के प्रत्येक व्यक्ति से सपरिवार शामिल होकर मां कर्मा के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

बिना फायर एनओसी चल रहे कई संस्थान

स्कूल, अस्पताल और होटलों में सेफ्टी नहीं; कहीं एक्सपायर सिलेंडर तो कहीं अलार्म गायब

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हाल की आगजनी की घटनाओं के बावजूद शहर के कई स्कूलों, निजी अस्पतालों, कोचिंग सेंटरों, दुकानों और बीयर बार में फायर सेफ्टी के नाम पर महज खानापूर्ति नजर आ रही है। कई संस्थानों में न तो पर्याप्त अग्निशमन यंत्र लगे हैं और न ही आपातकालीन बाहर निकलने की गेट की व्यवस्था है। बड़ी संख्या में संस्थानों ने अब तक फायर विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्रनहीं हैं, जिससे हजारों बच्चों, मरीजों और आम नागरिकों की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। जानकारों के अनुसार, बिना फायर एनओसी के संचालन पूरी तरह नियमों के

विरुद्ध है। बावजूद इसके, निगरानी और कार्रवाई के अभाव में संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। नगर निगम रीवा के आयुक्त सौरभ सोनवड़े ने कहा कि शहर में फायर सेफ्टी मानकों की सघन जांच कराई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन संस्थानों ने फायर भी नहीं लिया है, फिर भी उनका संचालन जारी है। संकरी गलियों में बढ़ा खतरा स्थानीय लोगों का कहना है कि संकरी गलियों में संचालित स्कूल और अस्पताल किसी भी आपात स्थिति में गंभीर हादसे का कारण बन सकते हैं। कई जगहों पर अग्निशमन सिलेंडर एक्सपायर मिले या केवल औपचारिकता के तौर पर टंगे हुए हैं। बहुमंजिला इमारतों में फायर अलार्म सिस्टम और स्प्रिंकलर जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं भी नहीं हैं, जिससे हजारों बच्चों, मरीजों और आम नागरिकों की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। जानकारों के अनुसार, बिना फायर एनओसी के संचालन पूरी तरह नियमों के विरुद्ध है। बावजूद इसके, निगरानी और कार्रवाई के अभाव में संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। नगर निगम रीवा के आयुक्त सौरभ सोनवड़े ने कहा कि शहर में फायर सेफ्टी मानकों की सघन जांच कराई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन संस्थानों ने फायर एनओसी नहीं ली है या जहां मानकों का पालन नहीं हो रहा है, उन्हें नोटिस जारी कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर सीलिंग की कार्रवाई भी की जाएगी। नागरिकों ने प्रशासन से शहरभर में विशेष अभियान चलाकर व्यापक जांच कराने और नियम उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले व्यवस्था दुरुस्त की जा सके।

यूजीसी बिल पर रीवा में उबाल: सवर्ण समाज का मशाल जुलूस, हजारों की हुंकार योग्यता से खिलवाड़ बंद करो

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नई यूजीसी नियमावली को लेकर शहर में असंतोष अब खुलकर सड़कों पर दिखाई देने लगा है। बुधवार शाम सवर्ण समाज के नेतृत्व में हजारों की संख्या में लोगों ने मशाल जुलूस निकालकर यूजीसी बिल के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में मशाल और तख्तियां लिए प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बिल को तत्काल वापस लेने की मांग कर रहे थे। पूरे आंदोलन में आक्रोश और असंतोष साफ नजर आया। मशाल जुलूस की शुरुआत अटल पार्क से हुई जो शहर के

प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए शिल्पी प्लाजा तक पहुंचा। पूरे रास्ते यूजीसी बिल वापस लो समान अवसर समान अधिकार और योग्यता का सम्मान करो जैसे नारे गूंजते रहे। बड़ी संख्या में युवाओं और छात्रों की भागीदारी ने आंदोलन को और अधिक धारदार बना दिया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश आज विकास

की दिशा में आगे बढ़ रहा है लेकिन शिक्षा व्यवस्था में लागू किए जा रहे कुछ कानून समाज में गहरी असमानता और असंतुलन पैदा कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वर्षों पुरानी नीतियों की सजा आज की पीढ़ी को दी जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब 90 प्रतिशत अंक लाने वाला छात्र अयोग्य ठहराया जाता है और 40 प्रतिशत अंक पाने वाला योग्य माना जाता है तो यह कैसी न्यायपूर्ण व्यवस्था है। वक्ताओं ने यूजीसी बिल को काला कानून बताते हुए इसकी तुलना अंग्रेजों के दौर के कानूनों से की। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे प्रावधान बनाए जा रहे हैं जिनमें अपराध के बाद भी आरोपी को निर्दोष मानने जैसी स्थिति बनती है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी सवाल उठाया कि क्या जातिगत भेदभाव केवल एसटी एससी और ओबीसी वर्ग तक ही सीमित है या सवर्ण समाज के साथ भी अन्याय नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि कब तक ऐसे कानून थोपे जाते रहेंगे जिनका दुरुपयोग कर एसटी-एससी एक्ट के तहत फर्जी मुकदमे लगाए जाते हैं।

ट्रैफिक अभियान, 15 दिन में 166 चालान सड़क हादसों पर अंकुश लगाने की पहल

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान चलाया गया। 3 फरवरी से 17 फरवरी की शाम 7 बजे तक चले इस अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 166 वाहन चालकों के चालान काटे गए। इस कार्रवाई में कुल 1 लाख 46 हजार 800 रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। यातायात प्रभारी नरेश प्रताप सिंह ने बताया कि यह चेकिंग अभियान जिले के विभिन्न स्थानों पर लगातार जारी है। पुलिस द्वारा कार्रवाई के साथ-साथ वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की

अपील की, ताकि सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह ने जानकारी दी कि जिले में यातायात को सुव्यवस्थित करने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए विशेष रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। मऊगंज में चिन्हित किए गए 6 ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार भी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि तेज गति से वाहन चलाना, नशे की हालत में ड्राइविंग, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग और सीट बेल्ट न लगाना दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।